रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

बुधवार
22 जुलाई -2026
वर्ष 10, अंक 318
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

पेज-8

सोनम वांगचुक को मेदांता शिफ्ट करने का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से मेदांता शिफ्ट करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि मेदांता उनके इलाज के लिए डॉक्टरों का एक पैनल बनाएगा। कोर्ट ने यह आदेश उनकी पत्नी गीतांजलि अंगमो की याचिका पर दिया है। सोनम 28 जून से भूख हड़ताल पर दिया था, लेकिन देर रात वे फिर जमा हो गए। सोनम वांगचुक को शिफ्ट करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने सोनम की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अखिल सिब्बल की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए डॉक्टर से पूछा कि यूरिया और यूरिक एसिड का बढ़ा हुआ लेवल क्या दिखाता है। क्या एसिड का

- दिल्ली हाईकोर्ट ने पत्नी गीतांजलि की याचिका पर दिया फैसला
- सफदरजंग अस्पताल में भर्ती, जंतर-मंतर पर पुलिस के खिलाफ नारे

हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद 18 जुलाई को पुलिस उन्हें जंतर-मंतर से उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गई थी। सोनम की पत्नी ने कोर्ट में याचिका लगाकर उन्हें पसंद के अस्पताल में शिफ्ट कराने की मांग की थी। उधर, कॉकरोच जनता पार्टी का जंतर-मंतर पर मंगलवार को 32वें दिन प्रदर्शन जारी है। दोपहर 12 बजे तक हजारों की संख्या में आंदोलनकारी धरने वाली जगह पर पहुंच गए हैं। सुबह कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने इन्हें नाश्ता बांटा। आज सुबह जब सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस पहुंची तो सीजेपी समर्थकों ने 'दिल्ली पुलिस हाय-हाय' के नारे लगाए। दिल्ली पुलिस ने सोमवार शाम जंतर-मंतर से प्रदर्शनकारियों को हटा बढ़ा हुआ लेवल शरीर में किसी गड़बड़ी का संकेत नहीं है। डॉक्टर ने जवाब दिया कि जब हम ग्लूकोज नहीं लेते, तो शरीर को ऊर्जा फैट से मिलती है। फैट के टूटने की वजह से यूरिन में कीटोन बनने लगते हैं। कई दिनों तक उपवास या भूखे रहने पर शरीर में ये बदलाव होना स्वाभाविक है। एम्स की तरफ से पेश हुए डॉक्टर ने कहा कि रिपोर्ट से पता चलता है कि डब्ल्यूबीसी का स्तर कम है। यह सामान्य नहीं है। जब इम्यूनिटी कम होती है, तो डब्ल्यूबीसी का स्तर भी कम हो जाता है। हीमोग्लोबिन, डब्ल्यूबीसी और प्लेटलेट्स सामान्य रेंज में नहीं हैं। सुनवाई के दौरान पेश हुए एम्स के डायरेक्टर ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि पोटैशियम का लेवल कम है।

झमाझम बारिश से बदल गया 'मौसम' का मिजाज

- फिर से ऐक्टिव हुआ मानसून, झूम-झूम कर बरसे बदरा
- जम्मू-कश्मीर में बाढ़ से बुरे हाल, दो दिन में 23 की मौत
- गुवाहाटी में लैंडस्लाइड, असम में 1.7 लाख लोग प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश से हालात गंभीर बने हुए हैं। पिछले दो दिनों में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। पुंछ और राजौरी के बाढ़ प्रभावित इलाकों में सात लोग अब भी लापता हैं। लगातार बारिश के कारण राहत और बचाव अभियान प्रभावित हुआ। सोमवार को भारी बारिश के बाद असम के गुवाहाटी में लैंडस्लाइड हुई। इसके बाद नेशनल हाईवे-715 का एक हिस्सा पानी में डूब गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य के 12 जिलों में 1.70 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। एमपी के लगभग 90 फीसदी हिस्से में अगले 4 दिन यानी 23 जुलाई तक हल्की बारिश का दौर बना रहेगा। राजस्थान में दो हफ्ते बाद मानसून एक बार फिर ऐक्टिव होने से जयपुर समेत 33 जिलों में बारिश का अलर्ट है।

हिमाचल में बादल फटने से तबाही, बह गए 6 घर

हिमाचल प्रदेश में जिला कांगड़ा के शाहपुर क्षेत्र में भारी बारिश ने तबाही मचाई है। शाहपुर की बोह घाटी के स्पैडा और गढ़गून गांव में बादल फटने से आई बाढ़ में छह मकान बह गए हैं। प्रशासन की टीम ने सूचना मिलते ही प्रभावित क्षेत्र का रुख कर लिया। बताया जा रहा है लोगों ने भागकर जान बचाई। पहाड़ी पर धमाका होने के बाद अचानक बाढ़ और मलबा आ गया, जो छह मकानों को अपने साथ बहाकर ले गया। एसडीआरएफ के पहुंचने के बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू होगा। कई घरों का नामोनिशान नहीं बचा है। बाढ़ के बाद आसपास के लोग सहमे हुए हैं। पहाड़ी से सटे क्षेत्र में जिनके घर हैं, वह मकान छोड़कर बाहर आ गए हैं। लोग घरों में जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। प्रशासन ने एसडीआरएफ को बुलाया है। प्रशासन ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए राहत और बचाव कार्य तेज कर दिए हैं। प्रारंभिक रिपोर्ट में किसी व्यक्ति को जानी नुकसान नहीं हुआ है।

अन्ना हजारे प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज से हैं नाराज

- सरकार से कहा-सभी मुद्दे सहमति से सुलझाए जा सकते हैं

मुंबई (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर राजधानी दिल्ली में सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प हो गई। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन जंतर-मंतर से संसद तक निकाले गए मार्च को रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की। जब प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने लगे तो पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। इस घटना के बाद देशभर की कई विपक्षी पार्टियों ने सरकार की आलोचना की। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर प्रक्रिया दी है। अन्ना हजार ने छात्रों पर किए गए लाठीचार्ज पर नाराजगी जताते हुए बड़ी बात कही है। छात्रों पर हुए लाठीचार्ज पर प्रतिक्रिया देते हुए अन्ना हजारे ने कहा कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि पुलिस ने किन परिस्थितियों में लाठीचार्ज किया।

छात्रों पर लाठीचार्ज लोकतंत्र पर हमला, प्रधानमंत्री नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दें : इन्तेखाब आलम

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

नई दिल्ली। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के सदस्य एवं एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया इन्तेखाब आलम ने जंतर-मंतर और दिल्ली में छात्रों के आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करना लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है।इन्तेखाब आलम ने कहा कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पुलिस के साथ सिविल ड्रेस में भी कुछ लोग मौजूद थे, जिन्होंने प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ मारपीट की। उन्होंने मांग की कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष और न्यायिक जांच कराई जाए तथा यदि किसी गैर-अधिकृत व्यक्ति ने कानून-व्यवस्था की कार्रवाई में भाग लिया है तो उसके विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाए।उन्होंने कहा कि छात्रों के मुद्दे को लेकर कांग्रेस पार्टी लगातार संघर्ष कर रही है। इसी क्रम में आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री आवास की ओर मार्च कर केंद्र सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देशवासियों से छात्रों के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया है।इन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देशभर के नागरिकों, विशेषकर छात्रों, युवाओं और लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले लोगों से आह्वान किया है कि वे अपने दैनिक कार्यों से समय निकालकर प्रधानमंत्री आवास के बाहर चल रहे शांतिपूर्ण धरने में शामिल हों। उन्होंने कहा कि जो भी छात्र-युवा और नागरिक शिक्षा, लोकतांत्रिक अधिकारों तथा छात्रों के भविष्य के साथ खड़े हैं, वे जहां भी स्थान मिले, वहीं शांतिपूर्वक बैठकर इस जनआंदोलन को मजबूत करें। राहुल गांधी ने कहा कि यह संघर्ष केवल छात्रों का नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और युवाओं के भविष्य की रक्षा का संघर्ष है।इन्तेखाब आलम ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अहंकार में डूबी हुई है और छात्रों, युवाओं तथा आम नागरिकों की समस्याओं के प्रति संवेदनहीन रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार छात्रों की आवाज सुनने के बजाय दमन का रास्ता अपनाएगी तो लोकतंत्र कमजोर होगा और जनता का आक्रोश और बढ़ेगा।उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार की कार्यप्रणाली की अंतिम नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी प्रधानमंत्री की होती है। यदि सरकार के विभिन्न विभागों के कामकाज को लेकर लगातार गंभीर सवाल उठ रहे हैं और देशभर में असंतोष का माहौल है, तो प्रधानमंत्री को इसकी जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए पद से इस्तीफा देना चाहिए। इन्तेखाब आलम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी छात्रों, युवाओं और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी तथा देश के संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए हर स्तर पर आवाज बुलंद करती रहेगी।

पेपर लीक मुद्दे पर स्पीकर से मिले राहुल गांधी

- कहा-लोकसभा में चर्चा हो, भारी हंगामे से नहीं हो सकी चर्चा
- खड़गे बोले-सदन में बोलने नहीं दिया जा रहा, चिट्ठी लिखी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही बुधवार तक स्थगित कर दी गई। इसके पहले मंगलवार सुबह 11 बजे जैसे ही दोनों सदनों में कार्यवाही शुरू हुई विपक्ष ने नीट पेपर लीक पर चर्चा की मांग की, प्लेकार्ड दिखाए और नारेबाजी की। भारी हंगामे के चलते दोनों सदनों की कार्यवाही पहले 12 बजे तक और इसके बाद दोपहर 2 बजे तक स्थगित की गई थी। सदन के बाहर आकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हमें संसद में बोलने नहीं दिया जा रहा है, लोकतंत्र में ऐसा करना गलत है। वहीं, नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भी लोकसभा स्पीकर से मुलाकात की। कांग्रेस सांसद साथ रहे।

- **संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित**- विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष के लगातार विरोध के बाद लोकसभा बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं राज्यसभा की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, हमने संसद में अन्याय, उत्पीड़न और बनाए जा रहे दबाव के मुद्दे को उठाने का समय मांगा था। लेकिन जैसे ही मैंने बोलना शुरू किया, मेरा माइक बंद कर दिया गया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने राज्यसभा में एम्स भुवनेश्वर के लिए एक नए सदस्य के चुनाव का प्रस्ताव रखा।

1000 स्कूलों में AI क्लास, हेलीकॉप्टर एंबुलेंस को मंजूरी हेमंत कैबिनेट के बड़े फैसले

दैनिक अलग पहचान, मुख्य संपादक, अन्नपूर्णा गुप्ता, नई दिल्ली /

रांची। झारखंड कैबिनेट ने मंगलवार को हुई बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेंशन और सरकारी सेवाओं से जुड़े कई बड़े फैसले लिए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई बैठक में जमुआ और मांडू में नए डिग्री कॉलेज बनाने से लेकर धनबाद मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की सीटें 100 से बढ़ाकर 250 करने तक को मंजूरी दी गई। राज्य के 1000 स्कूलों में एआई आधारित वर्चुअल क्लासरूम शुरू करने, गंभीर मरीजों के लिए हेलीकॉप्टर एंबुलेंस सेवा शुरू करने और सेवानिवृत्त शिक्षकों को सातवें वेतनमान के आधार पर पेंशन देने जैसे महत्वपूर्ण फैसले भी लिए गए। इसके अलावा राज्य में कई सड़कों के निर्माण और चौड़ीकरण के लिए करोड़ों रुपए मंजूर किए गए। कैबिनेट में किन-किन अहम एजेंडों को ग्रीन सिग्नल मिला... देखें पूरी लिस्टगिरिडीह के जमुआ में नया डिग्री कॉलेज बनेगा। इसके लिए सरकार ने करीब 38.22 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। रामगढ़ के मांडू में भी डिग्री कॉलेज बनाया जाएगा। इसके निर्माण पर करीब 40.15 करोड़ रुपए खर्च होंगे।सेवानिवृत्त अधिकारी रमोद

नारायण झा की पूरी पेंशन जब्त करने का पुराना आदेश हाईकोर्ट के निर्देश के बाद रद्द किया जाएगा।गुमला-सिमडेगा केंद्रीय सहकारी बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक चंदेश्वर कापर के खिलाफ जारी सजा का आदेश रद्द किया जाएगा। तारकेश्वर प्रसाद सिंह को उनकी सेवा अवधि में मिली प्रोन्नति और एसीपी, एमएसीपी जैसी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। इसके आधार पर उनकी पेंशन और वेतन फिर से तय होगा।

शेषनाथ शुक्ला की अस्थायी नौकरी की अवधि को पेंशन के लिए जरूरी सेवा अवधि में जोड़ा जाएगा।एससी, एसटी, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक छात्रावासों के निर्माण और संचालन की योजना में बदलाव किया जाएगा।पंचायती राज क्षेत्रों में लागू बिल्डिंग बायलॉज 2016 में संशोधन किया जाएगा।राज्य के दूरदराज इलाकों से गंभीर मरीजों को जल्द अस्पताल पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टर एंबुलेंस सेवा शुरू की जाएगी।जयनाथ यादव की सेवा नियमित और स्थायी की जाएगी। उन्हें एसीपी और एमएसीपी का लाभ भी मिलेगा।पूर्वी सिंहभूम में भुईयांसिनान से सुसनी वाया हाथीखेदा मंदिर तक 22.445 किलोमीटर सड़क का पुनर्निर्माण होगा। इसके लिए करीब 102.40 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।इस सड़क परियोजना में राज्य सरकार करीब 21.54 करोड़ रुपए अपनी हिस्सेदारी के रूप में खर्च करेगी।सेवानिवृत्त अधिकारी राज किशोर प्रसाद के खिलाफ जारी दंड का आदेश हाईकोर्ट के आदेश के बाद हटाने की मंजूरी दी गई है।सिकल सेल, थैलेसीमिया, हीमोफिलिया और टाइप-1 डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित बच्चों को बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत उपस्थिति की अनिवार्यता से राहत मिलेगी।दिव्यांग बच्चों को भी बोर्ड परीक्षा देने के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति की शर्त में छूट दी जाएगी।बोकारो के कसमार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अर्चना चौधरी को सेवा से बर्खास्त किया जाएगा।सर जेसी बोस विश्वविद्यालय, गिरिडीह और उसके कॉलेजों में शिक्षकों के पदों को नए सिरे से व्यवस्थित किया जाएगा।डिग्री कॉलेज बरही का नाम बदलकर डिग्री कॉलेज चंदवारा किया जाएगा।विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग और उसके कॉलेजों में शैक्षणिक पदों को नए सिरे से व्यवस्थित किया जाएगा।बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद और उसके कॉलेजों में भी शिक्षकों के पदों का पुनर्गठन होगा।कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा और उसके कॉलेजों में शैक्षणिक पदों को नए सिरे से व्यवस्थित किया जाएगा।रांची विश्वविद्यालय और उसके कॉलेजों में भी शैक्षणिक पदों का पुनर्गठन होगा।सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका और उसके कॉलेजों में शिक्षकों के पदों को नए सिरे से व्यवस्थित किया जाएगा।नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय, मेदिनीनगर और उसके कॉलेजों में भी शैक्षणिक पदों का पुनर्गठन होगा। 1 दिसंबर 2004 से पहले नियुक्त विश्वविद्यालयों और अंगीभूत कॉलेजों के सेवानिवृत्त शिक्षकों और पदाधिकारियों को 1 जनवरी 2016 से सातवें वेतनमान के आधार पर पेंशन मिलेगी। तीन पूर्व विभागीय कर्मचारियों की सेवा नियमित और स्थायी करने की मंजूरी दी गई है। उनके आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नौकरी का लाभ भी मिलेगा। धनबाद के एसएनएमएमसीएच मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का विस्तार होगा। इसके लिए करीब 194.73 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।

छह देश भारत से खरीद सकते हैं अस्त्र मिसाइल

- 'मेड इन इंडिया' का बजा डंका! 2026 में बढ़ा रक्षा निर्यात
- सऊदी अरब, इंडोनेशिया और आर्मेनिया से बातचीत है जारी

रियाद/येरेवान/नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध में अपनी क्षमता साबित कर चुकी भारत की अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल में आर्मेनिया और सऊदी अरब समेत 6 देशों ने दिलचस्पी दिखाई है। यह मिसाइल पहले से ही एसयू-30 एमकेआई फाइटर जेट्स के साथ इंटीग्रेटेड है और इसके निर्यात को लेकर बातचीत की जा रही है। इस मिसाइल को बेचने की बात उस वक्त हो रही है जब वित्त वर्ष 2026 में भारत का रक्षा निर्यात बढ़कर 38,424 करोड़ रुपया हो गया है। इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जकार्ता यात्रा के दौरान भारत और इंडोनेशिया के बीच अस्त्र बियॉन्ड-विजुअल-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइलों के लिए सैद्धांतिक सहमति बनी थी। इस समझौते ने इस स्वदेशी हथियार प्रणाली में दिलचस्पी बढ़ाई है।

'अस्त्र' मिसाइल रचेगी नया इतिहास

भारत और इंडोनेशिया के बीच अस्त्र मिसाइल की संख्या और कीमत को लेकर आगे बात की जाएगी। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि आर्मेनिया अस्त्र मिसाइलें हासिल करने के लिए भारत के साथ बातचीत के एक एडवांस स्टेज में है। इन मिसाइलों को भारतीय वायुसेना के एसयू-30एमकेआई लड़ाकू विमानों से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ सफल इस्तेमाल किया गया था। आर्मेनिया और सऊदी अरब के साथ बातचीत इस हथियार प्रणाली को उनके विमानों में इंटीग्रेट करने पर केंद्रित है। आर्मेनिया ने एसयू-30एम लड़ाकू विमानों में अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल प्रणाली को एकीकृत करने के लिए भारत के साथ तेजी से बातचीत शुरू कर दी है। इस बातचीत से साफ हो गया है कि आर्मेनिया सौदा करेगा।

किसानों का दिल्ली कूच स्थगित

गुरुग्राम (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के संसद घेराव और किसानों की प्रस्तावित महापंचायत को देखते हुए हरियाणा के पंजाब, दिल्ली और यूपी से लगे बॉर्डरों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। कई जिलों में किसान नेताओं और सीजेपी समर्थकों को हाउस अरेस्ट या डिटेन किया गया है। अमेरिका-भारत फ्री ट्रेड डील के विरोध में पंजाब के किसानों ने मंगलवार को दिल्ली के किसान घाट कूच का ऐलान किया था, लेकिन शंभू और खनौरी बॉर्डर पर पुलिस की सख्ती तथा कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के साथ बैठक के बाद उन्होंने आंदोलन फिलहाल स्थगित कर दिया। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव दिलबाग सिंह दिराजके ने बताया कि हिरासत में लिए गए किसान नेताओं की रिहाई और केंद्र सरकार से वार्ता कराने पर सहमति बनने के बाद धरना स्थगित करने का फैसला लिया गया। हालांकि, हरियाणा में अभी भी किसान दिल्ली कूच पर अड़े हुए हैं। रोहतक, सोनीपत, अंबाला, कुरुक्षेत्र, झज्जर, पानीपत और करनाल समेत 12 जिलों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। अंबाला के शंभू बॉर्डर पर 27 जुलाई तक धारा 163 लागू कर पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक लगा दी गई। वहीं, सोनीपत के कुंडली-सिंघु बॉर्डर पर करीब 4 किलोमीटर लंबा जाम लगा हुआ है। हरियाणा पुलिस ने वज्र वाहन तैनात कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

खेत देखने गए किसान की हाथियों के हमले में मौत, जंगल के पास मिला शव

हजारीबाग, एजेंसी। झारखंड के हजारीबाग जिले के बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र के ग्राम बरकंनगांगों में हाथियों के हमले में एक किसान की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान ग्राम बरकंनगांगों निवासी चिंतामणि साव पिता स्व भीखन साव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सोमवार की शाम चिंतामणि साव अपने घर से खेत देखने के लिए निकले थे। देर रात तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई। इसके बाद परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की, लेकिन रात भर उनका कोई पता नहीं चल सका। मंगलवार की सुबह ग्रामीणों को बरकंनगांगों जंगल के समीप चिंतामणि साव का शव पड़ा मिला। आशंका जताई जा रही है कि जंगली हाथियों के झुंड ने उन्हें कुचलकर मार डाला। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में भय का माहौल फैल गया। सूचना मिलने के बाद वन विभाग के अधिकारी और कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे तथा मामले की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से जंगली हाथियों का झुंड लगातार आसपास के इलाकों में विचरण कर रहा था। हाथियों की लगातार मौजूदगी के कारण क्षेत्र के लोग भय के साये में जी रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि हाथियों के झुंड को आबादी वाले क्षेत्रों से हटाकर सुरक्षित स्थान की ओर भेजा जाए। साथ ही ग्रामीणों ने मृतक किसान के परिवार को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराने की भी मांग की है।

कांग्रेस प्रभारी बोले : राधाकृष्ण के मुद्दों के साथ कांग्रेस, कैबिनेट में उठेगा मामला

रांची, एजेंसी। झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के राजू ने वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर द्वारा प्रशासनिक कार्यप्रणाली और अधिकारियों के रवैये को लेकर उठाये जा रहे मुद्दों का खुलकर समर्थन किया है। सोमवार को प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री जो मुद्दे उठा रहे हैं, कांग्रेस उनका सौ फीसदी समर्थन करती है। उन्होंने संकेत दिया कि इन विषयों पर राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में भी चर्चा होगी। के राजू ने कहा कि अधिकारियों को सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार करना चाहिए।यदि जनप्रतिनिधियों को उचित सम्मान नहीं मिलता है, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के मुद्दे पर पूछे गये सवाल के जवाब में के राजू ने कहा कि पूरे मामले पर मुख्यमंत्री नजर रखे हुए हैं। समीक्षा कब पूरी होगी, इसके लिए मुख्यमंत्री पर कोई समय–सीमा तय करने का दबाव नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के सभी विधायकों ने पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया था।

लोहरदगा में आपराधिक घटना की साजिश नाकाम

लोहरदगा, एजेंसी। लोहरदगा पुलिस ने समय रहते कार्रवाई कर जिले में होने वाली एक बड़ी आपराधिक घटना को टाल दिया। पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर लोहरदगा थाना पुलिस ने हत्या की नीयत से हथियार लेकर घूम रहे दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी एक ऑल्टो कार से बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। पुलिस ने उनके कब्जे से एक देसी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस, एक मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल ऑल्टो कार बरामद की है।पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली कि नीले रंग की ऑल्टो कार में सवार तीन व्यक्ति अवैध हथियार के साथ सोबरन टोली की ओर जा रहे हैं और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही एसडीपीओ, थाना प्रभारी और विशेष टीम ने फटाफट कार्रवाई करते हुए अपर बाजार क्षेत्र में गाड़ियों जांच शुरू की। दोपहर करीब 12 बजे संदिग्ध कार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक ने गाड़ी भगाने की कोशिश की। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कार को घेरकर रोक लिया।तलाशी के दौरान कार की पिछली सीट के नीचे छिपाकर रखा गया एक 7।65 एमएम का देसी पिस्टल, एक मैगजीन और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुमला जिले के भरनो थाना क्षेत्र के लोंगा निवासी हुसैन अंसारी (36 साल), और लोहरदगा थाने के प्रेमनगर निवासी अजय साहू (30 साल) के रूप में हुई है।

दो दिवसीय बोकारो दौरे पर प्रमंडलीय आयुक्त

बोकारो, एजेंसी। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त विजय कुमार गुप्ता आज सोमवार को दो दिवसीय दौरे पर बोकारो पहुंचे। जहां जिला के वरीय अधिकारियों के द्वारा उनका स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने बोकारो डीसी कार्यालय कक्ष में बैठकर अधिकारियों के साथ राजस्व संबंधित समीक्षा बैठक की।इस दौरान जिला और विभाग के सभी अधिकारियों से रिपोर्ट तलब किया गया। उन्होंने कहा कि जो रिपोर्ट अधिकारियों के द्वारा दिया जाएगा उसके बाद उसकी समीक्षा की जाएगी। जिला से जो भी रिपोर्ट सामने आएगा उसकी उचित फोरम पर रखने का काम किया जाएगा। इस बैठक में बोकारो डीसी सहित जिला के सभी वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

▶▶ विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)-2026 अंतर्गत जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त

रांची मंजूनाथ भजन्त्री की मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

▶▶ मतदान केन्द्रों पर 22 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाली BLO एवं BLA-2 की बैठक एवं चुनाव पाठशाला को लेकर हुई चर्चा

रांची ।विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)-2026 अंतर्गत 22 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाली ब्लब्ब एवं BLA-2 की तीसरी बैठक एवं चुनाव पाठशाला के सफल आयोजन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला अंतर्गत सभी विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक समाहर्त्ता, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में 22 जुलाई को सभी मतदान केन्द्रों पर आयोजित होने वाली चुनाव पाठशाला के उद्देश्यों एवं कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री ने बताया कि चुनाव पाठशाला का उद्देश्य स्ब्ब्ब (Absent, Shifted, Dead, Duplicate) सूची को अंतिम रूप देना, प्राप्त Enumeration Form का संग्रहण एवं सत्यापन सुनिश्चित करना, एक परिवार के सभी पात्र मतदाताओं को एक ही मतदान केंद्र से जोड़ना तथा विदेशी नागरिकों से संबंधित प्राप्त सूचनाओं पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करना है, ताकि कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो और कोई पात्र मतदाता छूटने न पाए। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि 22 जुलाई को आयोजित होने वाली BLO एवं BLA-2 एवं चुनाव पाठशाला की तीसरी बैठक विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से निर्धारित समय पर उपस्थित होकर अभियान को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे अपने-अपने BLA-2 के माध्यम से संबंधित BLO के साथ समन्वय स्थापित कर 29 जुलाई 2026 से पूर्व Enumeration Form के शत-प्रतिशत संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन में सक्रिय सहयोग करें। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों की सहभागिता से मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाया जा सकता है।

बैठक के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने विगत विशेष गहन पुनरीक्षण में मतदाताओं के नाम खोजने में आने वाली कठिनाइयों का उल्लेख किया। इस पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री ने सभागार में ही ऑनलाइन माध्यम से नाम खोजने की प्रक्रिया का प्रदर्शन करते हुए संबंधित पोर्टल पर मतदाताओं का विवरण आसानी से खोजने की जानकारी दी तथा उपस्थित प्रतिनिधियों की शंकाओं का समाधान किया।

देवघर महिला फुटबॉल सेंटर विवाद: डीडीसी ने सुनी पीड़ित खिलाड़ियों की बात

देवघर, एजेंसी। डे-बोर्डिंग महिला फुटबॉल सेंटर की महिला खिलाड़ियों द्वारा जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार और उनके क्लर्क पर लगाए गए गंभीर आरोपों के मामले में अब जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। मुख्यमंत्री तक शिकायत पहुंचने और जांच के निर्देश मिलने के बाद सोमवार को उप विकास आयुक्त (डीडीसी) पीयूष कुमार सिन्हा ने शिकायतकर्ता खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं और आरोप विस्तार से सुनी। खिलाड़ियों से मुलाकात के बाद डीडीसी पीयूष कुमार सिन्हा ने बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर पूरे मामले की जांच की जा रही है।

खिलाड़ियों के बयान दर्ज किए गए हैं और जांच रिपोर्ट तैयार कर उपायुक्त को सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि आगे की कार्रवाई जांच रिपोर्ट के आधार पर ही तय की जाएगी। बता दें कि डे-बोर्डिंग महिला फुटबॉल सेंटर की खिलाड़ियों ने जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार और उनके क्लर्क पर प्रताड़ित करने तथा सरकारी खेल संसाधनों के उपयोग में बाधा डालने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। खिलाड़ियों का कहना है कि यदि वे अपनी प्रतिभा निखारने के लिए उपलब्ध सरकारी सुविधाओं का उपयोग करना चाहती हैं, तो उन्हें संस्थान से निकालने की धमकी दी जाती है।

इन आरोपों को लेकर खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से शिकायत की थी। शिकायत के बाद मुख्यमंत्री ने मामले की जांच के निर्देश दिए। जिसके बाद उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने डीडीसी पीयूष कुमार सिन्हा को जांच कर रिपोर्ट सौंपने की जिम्मेदारी दी।

फिलहाल इस मामले की जांच जारी है। आरोपों की सत्यता जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। हालांकि मुख्यमंत्री स्तर तक मामला पहुंचने के बाद यह प्रकरण राज्य के खेल जगत में चर्चा का विषय बन गया है।

जंतर-मंतर की घटनाएं विपक्ष के सुनियोजित राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा प्रतीत होती हैं : अखिल सिंह

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

जमशेदपुर। भाजपाजमशेदपुर महानगर के जिला प्रवक्ता अखिल सिंह ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन और संसद के बाहर हुई घटनाओं पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह आंदोलन छात्रों के वास्तविक हितों की अपेक्षा विपक्ष के राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने का माध्यम अधिक प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दे पर युवाओं को भ्रमित करने का प्रयास किया गया, जबकि केंद्र सरकार ने पेपर लीक मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराई, दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की तथा छात्रों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रभावित अभ्यर्थियों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक संवैधानिक कदम उठाए, परीक्षा प्रक्रिया को आगे बढ़ाया और आज हजारों छात्र अपनी योग्यता के आधार पर मेडिकल महाविद्यालयों में प्रवेश लेकर अपने भविष्य के निर्माण में जुटे हैं। ऐसे समय में छात्रों के भविष्य को लेकर अनावश्यक भ्रम और अस्थिरता पैदा करना उचित नहीं है।अखिल सिंह ने कहा कि जब पूरा देश छात्रों की सफलता और उनके उज्ज्वल भविष्य की खुशी मना रहा था, उसी समय विपक्ष द्वारा आयोजित प्रदर्शन के दौरान संसद की कार्यवाही और व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराना सभी का अधिकार है, लेकिन संसद जैसी सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था की गरिमा बनाए रखना भी प्रत्येक नागरिक और राजनीतिक दल की जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि आंदोलन के दौरान सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो सामने आए, जिनमें कुछ प्रतिभागियों को आंदोलन के उद्देश्य की स्पष्ट जानकारी नहीं थी। यदि किसी शैक्षणिक संस्थान द्वारा छात्रों को राजनीतिक गतिविधियों में शामिल करने के लिए प्रेरित या दबाव डाला गया है, तो ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।अखिल सिंह ने कहा कि धारा 370 और 35ए हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में शांति और विकास का नया दौर शुरू हुआ है। उनका कहना है कि देश में अशांति का वातावरण बनाने के किसी भी प्रयास को जनता स्वीकार नहीं करेगी।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और युवाओं को रोजगार एवं नवाचार से जोड़ने जैसी अनेक योजनाओं के माध्यम से देश को नई दिशा देने का कार्य किया है। आज भारतीय युवा विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, स्टार्टअप, खेल और उद्यमिता सहित हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

सरला बिरला विश्वविद्यालय ने 'हरित ग्राम अभियान' का किया शुभारंभ 17 दिवसीय पौधारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता अभियान शुरू

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता,रांची /

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के उन्नत भारत अभियान (UBA) प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गांव आरा में 'हरित ग्राम अभियान' का शुभारंभ किया गया। सत्रह दिवसीय पौधारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता का यह अभियान 4 अगस्त तक चलेगा।

इस अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा अपने अंगीकृत गांवों–आरा, बड़ाम, सिलवई, महिलोंग एवं हरातू–सहित आरा गेट से महिलोंग तक सड़क किनारे लगभग पांच हजार पौधे लगाए जाएंगे। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ ही हरियाली की बढ़ोत्तरी तथा ग्रामीण समुदाय में पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है। अभियान का शुभारंभ एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने अधिक से अधिक वृक्षारोपण एवं उनके संरक्षण का संदेश देते हुए सभी से पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया।कार्यक्रम में कुलपति प्रो. सी. जगनाथन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा नैतिक दायित्व भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने तथा सतत विकास के उद्देश्य को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।उन्नत भारत अभियान के समन्वयक डॉ. मुकेश कुमार सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण तभी संभव है जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए सक्रिय भागीदारी निभाए। श्री अमित नाथ चरण ने कहा कि अभियान की वास्तविक सफलता केवल पौधे लगाने में नहीं, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण सुनिश्चित करने में निहित है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, छात्र-छात्राएं, ग्राम प्रतिनिधि तथा स्थानीय ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया।सरला बिरला विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान एवं माननीय राज्यसभा सांसद सह निदेशक प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने सामुदायिक सहभागिता से जुड़े इस कार्यक्रम के सफल आयोजन पर आयोजक मंडली को शुभकामना संदेश प्रेषित किया है।

विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)-2026 के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ सम्मानित

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

साहिबगंज भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार झारखंड राज्य में संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision-SIR)-2026 अभियान के अंतर्गत 05-पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के बरहरवा प्रखंड स्थित मतदान केंद्र संख्या-137, 19, 134 एवं 39 के बूथ लेवल अधिकारियों (BLO) ने उल्लेखनीय कार्य करते हुए एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण एवं डिजिटाइजेशन कार्य निर्धारित समय-सीमा से पूर्व, दिनांक 19 जुलाई 2026 तक शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया।इस उत्कृष्ट उपलब्धि के उपलक्ष्य में आज प्रखंड कार्यालय, बरहरवा में आयोजित एक सम्मान समारोह के दौरान AERO-cum-BDO, बरहरवा द्वारा संबंधित सभी बीएलओ को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस अवसर परAERO-cum-BDO ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची को त्रुटिरहित, पारदर्शी, अद्यतन एवं शत-प्रतिशत प्रमाणिक बनाने में बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी सम्मानित बीएलओ के समर्पण, अनुशासन एवं समयबद्ध कार्य निष्पादन की सराहना करते हुए इसे अन्य कर्मियों के लिए प्रेरणादायी बताया।

धनबाद क्रिकेट संघ (डीसीए) प्रबंध समिति की शनिवार को हुई बैठक में कई विषयों पर विचार-विमर्श किया गया

डीसीए में रघुकुल और पृथ्वी मेंशन की एंट्री, मेयर के करीबी को दिखाया बाहर का रास्ता

धनबाद, एजेंसी। धनबाद क्रिकेट संघ (डीसीए) का विवाद थमता नहीं दिख रहा है। शनिवार को आयोजित प्रबंध समिति की बैठक के बाद विवाद और गहरा गया है। बैठक के फैसलों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आरोप लगाया जा रहा है कि जहां मेयर के करीबी माने जाने वाले पदाधिकारियों को बाहर का रास्ता दिखाया गया, वहीं रघुकुल और पृथ्वी मेंशन के सदस्यों को डीसीए में इंट्री करायी गयी है। इसी के साथ सवाल यह उठ रहा है कि जिन नए सदस्यों को डीसीए में स्थान दिया गया है, क्या वे पहले से किसी क्रिकेट संघ से जुड़े हुए थे अथवा डीसीए के सदस्य थे, जिसके आधार पर उन्हें संगठन में जगह दी गयी। इस मुद्दे को लेकर क्रिकेट गलियारों में चर्चा तेज हो गयी है।

डीसीए द्वारा महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए बनी नयी समिति में बलिया के पूर्व जिप अध्यक्ष रामधीर सिंह की बहू एवं मजदूर नेता आशनी सिंह को सदस्य बनाया गया है। जनता मजदूर संघ (बच्चा गुट) के महामंत्री सह रघुकुल के अभिषेक सिंह को डीसीए का कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। इन दोनों की इंट्री से विवाद बढ़ने की संभावना है।

धनबाद क्रिकेट संघ (डीसीए) प्रबंध समिति की शनिवार को हुई बैठक में कई विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इसमें अवधेश कुमार सिंह की ओर से विशेष आम सभा बुलाने की मांग को खारिज करना, महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए महिला समिति का गठन तथा कार्यकारिणी में नये सदस्यों की नियुक्ति प्रमुख रहे।

संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि अवधेश कुमार सिंह द्वारा विशेष आम सभा बुलाने के लिए भेजे गये पत्र पर प्रबंध समिति की 26 जून की बैठक में चर्चा हुई थी, जिसमें पत्र में शामिल सदस्यों के हस्ताक्षरों की वैधता पर संदेह जताया गया था। बताया कि पत्र सौंपे जाने के तीन दिन बाद स्वयं अवधेश कुमार सिंह ने ईमेल भेजकर स्वीकार किया था कि पत्र में दस सदस्यों के हस्ताक्षर वैध नहीं थे। इसके बाद हस्ताक्षरों की जांच के लिए डीसीए के उपाध्यक्ष संजीव कुमार झा को अधिकृत किया गया। उन्होंने 16 जुलाई को जांच रिपोर्ट सौंपी। जांच में कुल 65 प्रतिशत हस्ताक्षरों में गड़बड़ी मिली। इसी आधार पर प्रबंध समिति ने अवधेश कुमार सिंह की मांग को अस्वीकार कर दिया। उन्हें रविवार को पत्र भेजने का भी निर्णय लिया गया।

बैठक में धनबाद में महिला क्रिकेट को प्रोत्साहित करने और महिला खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए महिला समिति का गठन किया गया। समिति की अध्यक्ष डीपीएस की प्राचार्य डॉ सरिता सिन्हा को बनाया गया। वहीं पूनम शर्मा, आशनी सिंह, डॉ नीतू सहाय, सोनाली सिंह, सुप्रिया कुमारी, कल्याणी सिन्हा, डॉ रीना बर्णवाल व बिंदु सिंह को सदस्य मनोनीत किया गया।

बैठक में कार्यकारिणी सदस्य संतोष कुमार सिंह व दिवेन तिवारी के आचरण व संघ की गतिविधियों के प्रति उनके असहयोगात्मक रवैये पर भी चर्चा हुई। प्रबंध समिति का मत था कि उनके व्यवहार से ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें समिति पर विश्वास नहीं है और वे कार्यकारिणी सदस्य के रूप में काम करने के इच्छुक नहीं हैं। उनके स्थान पर अशोक सर्राफ व शिव शक्ति को तत्काल प्रभाव से कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया। वहीं अभिषेक सिंह को भी सर्वसम्मति से कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत करने का निर्णय लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

पहली ही बारिश में बह गई पुलिया, अड़की के आधा दर्जन से अधिक गांवों का जिला-प्रखंड मुख्यालय से संपर्क टूटा

रांची/खूंटी, एजेंसी। जिला के अड़की प्रखंड में मानसून की पहली तेज बारिश ने ही ग्रामीण इलाकों की बुनियादी व्यवस्था की पोल खोल दी। शनिवार रात हुई मूसलधार बारिश में तिनतिला पंचायत के चातोमहुटुब और बगड़ी के टोला टोडांगडीह के बीच स्थित पुलिया तेज बहाव में बह गई। पुलिया के ध्वस्त होने से आधा दर्जन से अधिक गांवों का प्रखंड और जिला मुख्यालय से सीधा संपर्क टूट गया है, जिससे स्थानीय लोगों की परेशानियां अचानक बढ़ गई हैं। तिनतिला पंचायत के मुखिया लक्ष्मण मुंडा के अनुसार पुलिया टूटने के बाद प्रखंड मुख्यालय पहुंचने के लिए अब ग्रामीणों को बगड़ी और बीरबांकी होकर जाना पड़ेगा, जिससे करीब 20 से 25 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी होगी। वहीं जिला मुख्यालय जाने के लिए डोल्डा, केवड़ा और मुरहू मार्ग का सहारा लेना पड़ेगा। जिससे 10 से 15 किलोमीटर अधिक सफर करना होगा। इससे समय के साथ–साथ परिवहन खर्च भी बढ़ गया है। मुखिया ने बताया कि संबंधित पुलिया का निर्माण लगभग चार वर्ष पहले हुआ था। उनका आरोप है कि पुलिया के दोनों ओर सुरक्षा के लिए गार्डवाल नहीं बनाया गया था। इसी वजह से पहली ही तेज बारिश में पुलिया बह गई और पूरा संपर्क मार्ग बाधित हो गया। यह रास्ता सोयको जाने का सबसे आसान और सीधा मार्ग माना जाता था। पुलिया टूटने से चातोमहुटुब, लंपाडीह, लोसोदईकीर, मेदसोबे, काड़ाकासोम, बगड़ी और टोडांगडीह सहित कई गांवों के लोगों का आवागमन प्रभावित हुआ है। इन गांवों के लोगों को अब दैनिक जरूरतों के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है। सोयको क्षेत्र का प्रमुख साप्ताहिक बाजार है, जहां ग्रामीण दैनिक उपयोग की वस्तुओं की खरीदारी करते हैं और अपने कृषि उत्पाद बेचते हैं। संपर्क टूटने से बच्चों की पढ़ाई, मरीजों को अस्पताल पहुंचाने और किसानों के उत्पाद बाजार तक ले जाने में गंभीर कठिनाइयां पैदा हो गई हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द नए पुल के निर्माण की मांग की है ताकि आवागमन सामान्य हो सके। पुलिया के बहने के बाद इसके निर्माण को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। जब संबंधित विभागों के अधिकारियों से जानकारी ली गई तो किसी ने भी इसे अपने विभाग की परियोजना मानने की पुष्टि नहीं की। हालांकि ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी धर्मेंद्र किशोर सिंह ने कहा कि जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि पुलिया का निर्माण किस विभाग द्वारा कराया गया था।

वीआईपी कल्चर छोड़ तमाड़ के खेतों में पहुंचीं झारखंड की विधायक पूर्णिमा साहू, बारिश के बीच किया रोपा धान

जमशेदपुर, एजेंसी। पूर्वी विधानसभा क्षेत्र की विधायक पूर्णिमा दास साहू ने किसानों और ग्रामीण महिलाओं के साथ खेत में काम करते देखी गई है। जानकारी के अनुसार वह रांची से जमशेदपुर लौट रही थी, इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग–33 (ह ||–33) पर तमाड़ के नीरूडीह गांव के समीप खेतों में महिलाओं को धान रोपते देख विधायक खुद को रोक नहीं सकीं। उन्होंने तुरंत अपना काफिला रुकवाया और सीधे पानी से लबालब भरे खेतों में उतर गईं। विधायक पूर्णिमा साहू ने न सिर्फ अपने सुरक्षा घेरे और औपचारिकताओं को किनारे रखा, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के हाथों से धान का बिचड़ा (पौध) लेकर उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर धान रोपना शुरू कर दिया। खेतों में काम करते वक्त महिलाओं से बातचीत कर उनके घर गृहस्थी और अन्य समस्याओं के बारे में जानकारी ली। महिलाओं ने बातचीत दौरान यह भी बताया कि ये उनके अपने खेत हैं। विधायक ने इस पर उनसे इस साल की बारिश की स्थिति, खेती–किसानी और फसलों से जुड़ी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। खेतों में काम करने के अपने इस अनुभव को साझा करते हुए विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा, 'किसान हमारे असली अन्नदाता और देश की रीढ़ हैं। उनकी दिन–रात की कड़ी मेहनत और पसीने की बदौलत ही पूरे देश के लोग खुशहाल जीवन जीते हैं। खेतों में काम करना आसान नहीं होता, फिर भी वे हर परिस्थिति में देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।' बातचीत के क्रम में उन्होंने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए भावुक होकर कहा कि आज खेत में उतरते ही मुझे बचपन के दिन याद आ गए, जब मैं अपनी बुआ के गांव जाती थी और महिलाओं के साथ धान रोपती थी। वर्षों बाद यह अनुभव दोबारा पाकर मन बेहद भावुक और प्रसन्न है।'

रांची के सदर अस्पताल की लिफ्ट में फंसा युवक,

दो घंटों की मशक्कत के बाद निकाला गया बाहर

रांची, एजेंसी। सदर अस्पताल के सुपर स्पेशियलिटी बिल्डिंग की लिफ्ट में मंगलवार को 28 साल का एक युवक काफी देर तक लिफ्ट में फंसा रहा। युवक का नाम छोटू महतो था जो नामकुम इलाके का रहने वाला बताया गया। परिजन रीता कुमारी का अस्पताल के अंदर इलाज चल रहा था और वह लेबर वार्ड में भर्ती थी। वह मंगलवार अहले सुबह 04 बजे अस्पताल के न्यू बिल्डिंग ब्लॉक वार्ड की तरफ से नीचे आ रहे थे। इस क्रम में लिफ्ट चलते-चलते फंस गया। लिफ्ट बंद होते ही लिफ्ट के अंदर कुछ देर के लिए घुप्प अंधेरा छा गया, वह डरकर जोर-जोर से बाहर निकालने की गुहार लगाने लग गया। युवक ने फोन पर इसकी सूचना देनी चाही लेकिन किसी जानने वाले ने उसका फोन कॉल रिसीव नहीं किया। लगभग एक घंटे तक युवक चिल्लाता रहा, बाद में उसके चिल्लाने की आवाज वहां से गुजर रही अस्पताल की एक नर्स के कानों तक पहुंची। लेकिन, सबसे बड़ी बात की वहां कोई भी लिफ्टमैन मदद के लिए ड्यूटी पर मौजूद नहीं था।

लिफ्ट फंसने की सूचना अस्पताल प्रबंधन को दी गई, लेकिन रेस्क्यू के लिए तत्काल सहायता नहीं मिली। मौके पर धीरे-धीरे अस्पताल में मौजूद लोग जमा हो गए, उन्होंने भी मदद करनी चाही लेकिन बात नहीं बनी। मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो परिजनों और मौजूद लोगों ने कई बार लिफ्ट ऑपरेटर, टेक्नीशियन और इमरजेंसी नंबरों पर कॉल किया, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। बाद में टेक्नीशियन और अन्य लोगों के सहयोग से उन्हें सुबह करीब 6:00 बजे किसी तरह से बाहर निकाला गया। करीब दो घंटे की मशक्कत और अफरा-तफरी के बाद युवक को सुरक्षित बाहर निकाला गया। युवक ने बाद में मौके पर मौजूद अस्पताल से जुड़े स्टाफ को इसकी लिखित शिकायत भी दी। सदर अस्पताल, रांची में मरीजों और हॉस्पिटल स्टॉफ के लिए 10 पैसेंजर कैपेसिटी वाला छह लिफ्ट, 15 पैसेंजर वाला 04 लिफ्ट लगाया गया है, ताकि ऊपरी तल्ले पर आवागमन सुगम तरीके से हो सके। लेकिन, कई बार खासकर रात के वक्त बिजली जाने या कुछ तकनीकी खामियों के चलते अक्सर यह लिफ्ट अटक जाती है। खासकर ग्रामीण क्षेत्र से आए मरीजों और उनके परिजनों को लिफ्ट चलाने और इसके अचानक बंद पड़ जाने पर रेस्क्यू की जानकारी ठीक से नहीं रहती।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि लिफ्ट का सेंसर शायद काम नहीं कर रहा था। अगर लिफ्ट के दरवाजे का सेंसर और ऑटोमेटेड रेस्क्यू सिस्टम काम करता, तो शायद यह हादसा नहीं होता। सदर अस्पताल में एयरकंडिशनिंग का काम देख रही सर्विस कंपनी मेसर्स सिद्धिविनायक को ही लिफ्ट मेंटेनेंस का भी जिम्मा दे दिया गया है, जबकि उसका अनुभव इस क्षेत्र में है ही नहीं। लिफ्ट मेंटेनेंस और सर्विस के नाम पर ऑपरेशनल कंपनी को हर महीने 2.5 लाख से ज्यादा का भुगतान होता है। घटना ने लिफ्ट की सुरक्षा और इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अस्पताल के इस लिफ्ट में कोई लिफ्टमैन की व्यवस्था नहीं थी। मरीजों के लिए जो लिफ्ट है, उसमें लिफ्टमैन की अति आवश्यकता होती है। यहां कई मरीज गांव-देहात से इलाज के लिए आते हैं और उन्हें लिफ्ट चलाने की जानकारी नहीं होती। पूर्व में दर्जनों लिफ्टमैन की नियुक्ति आउटसोर्स के माध्यम से पहले कई लिफ्ट मैन की नियुक्ति की गई लेकिन बाद में उन्हें सिविल सर्जन कार्यालय के द्वारा अलग-अलग कार्यों में लगा दिया गया। अस्पताल में तैनात तीन लिफ्ट मैन में से एक इमामुद्दीन अंसारी को टेक्निकल कार्यों से हटाकर सीएस कार्यालय के सिविल कार्यों में लगा दिया गया है।

शहर में जमीन-मकान लेना हुआ महंगा, रजिस्ट्री के लिए देना होगा 10% अतिरिक्त सरचार्ज

रांची, एजेंसी। झारखंड के शहरी क्षेत्रों में जमीन, मकान या फ्लैट खरीदने की योजना बना रहे लोगों की जेब पर अब अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। राज्य सरकार ने 'झारखंड नगरपालिका भूमि, भवन स्थानांतरण अधिभार नियमावली-2026' लागू कर दी है। इसके लागू होने के साथ ही सभी शहरी निकाय क्षेत्रों-नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत क्षेत्रों में भूमि और भवन के स्थानांतरण पर कुल निबंधन शुल्क का 10 प्रतिशत अतिरिक्त सरचार्ज भी खरीदार को देना होगा। फिलहाल, जमीन या फ्लैट के निबंधन के लिए खरीदारों को संपत्ति के मूल्य अथवा सरकारी निर्धारित सर्किल रेट, जो अधिक हो, उसके आधार पर पांच प्रतिशत जीएसटी के अलावा चार प्रतिशत स्टांप शुल्क और तीन प्रतिशत निबंधन शुल्क समेत कुल सात प्रतिशत शुल्क का भुगतान करना होता है। अब इसके साथ 10 प्रतिशत अतिरिक्त अधिभार भी जुड़ जायेगा। राज्य सरकार को अधिभार से मिलने वाली राशि संबंधित नगर निकायों को उपलब्ध करायी जायेगी। इसका उपयोग सड़क, पेयजल, नाली, स्ट्रीट लाइट, पार्क और अन्य शहरी आधारभूत सुविधाओं के विकास में किया जायेगा।इधर, रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े लोगों का मानना है कि नयी व्यवस्था से संपत्ति खरीदने वालों की शुरुआती लागत बढ़ेगी। बिल्डर मनोज सिंह कहते हैं कि रजिस्ट्री पहले से ही महंगी है। इसमें सरचार्ज की वसूली से क्रेता पर ही बोझ बढ़ेगा। हालांकि, सरकार का तर्क है कि सरचार्ज से मिलने वाला राजस्व अंततः शहरी विकास पर खर्च होगा।फिलहाल राज्य के किसी शहरी क्षेत्र में पहले 50 लाख रुपये की संपत्ति खरीदने पर जीएसटी के रूप में कुल मूल्य का पांच प्रतिशत यानी ढाई लाख रुपये देने होते हैं। इसके अलावा चार प्रतिशत स्टाम्प शुल्क के रूप में दो लाख रुपये और तीन प्रतिशत निबंधन शुल्क के रूप में डेढ़ लाख रुपये (कुल 3.5 लाख रुपये) का भुगतान करना होता है।

गिरिडीह के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के वेंकटेश्वर प्लांट में सुपरवाइजर की मौत

राज किशोर सिन्हा
मृतक

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के भोरंडीहा स्थित चाइना मोड़ के वेंकटेश्वर प्लांट में हुए हादसे में प्लांट के सुपरवाइजर की मौत हो गई। मृतक की पहचान धनबाद के सिंदरी निवासी राज किशोर सिन्हा के रूप में हुई है। वे पिछले करीब 15 वर्षों से प्लांट में कार्यरत थे। वर्तमान में परिसर के कुटिया मंदिर स्थित गेस्ट हाउस में रहते थे।

परिजनों के अनुसार देर रात थाना से सूचना मिलने के बाद वे प्लांट पहुंचे, जहां बताया गया कि कोयला लदे हाईवा से माल खाली कराने के दौरान यह हादसा हुआ। राज किशोर सिन्हा टॉर्च की रोशनी से चालक को वाहन पीछे करने का संकेत दे रहे थे, तभी वे अचानक हाईवा की चपेट में आ गए। मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप : घटना के बाद परिजनों ने प्लांट प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि इतने बड़े औद्योगिक परिसर में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं थी, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि हादसे के बाद शव को बोरे में रखकर गिरिडीह सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जो बेहद अमानवीय है। इस घटना से आक्रोशित परिजनों ने फिलहाल पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है। शव अस्पताल में ही रखा हुआ है। परिजन मृतक के आश्रितों को उचित मुआवजा, निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

निष्पक्ष जांच की मांग हुई तेज : घटना की सूचना मिलने पर बार एसोसिएशन के महासचिव एवं भाजपा नेता चुन्नू कांत तथा माले नेता राजेश सिन्हा सदर अस्पताल पहुंचे। दोनों नेताओं ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। प्रबंधन से उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। मृतक के भांजे आयुष रंजन ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए प्लांट प्रबंधन की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं।

गोरखपुर, पटना के रास्ते संचालन, हर दिन चलेगी जसीडीह-बैद्यनाथ धाम मेमू

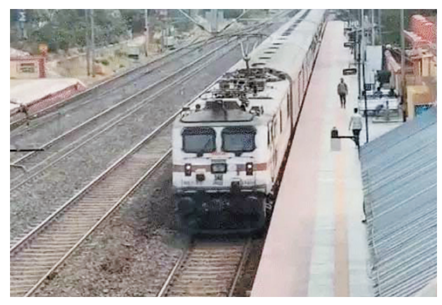

जामताड़ा, एजेंसी। पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने श्रावणी मेला के दौरान लाखों कांवरियों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष रेल सेवाओं की घोषणा की है। 29 जुलाई से 30 अगस्त तक मेमू, डेमू, पैसेंजर और अनारक्षित विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। ये ट्रेनें जसीडीह, बैद्यनाथ धाम, देवघर, बासुकीनाथ, गोड्डा, जमालपुर, पटना, गोरखपुर और आसनसोल के बीच चलेगी। रेलवे की ओर से टाइम टेबल भी जारी कर दिया गया है।

श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए जसीडीह और बैद्यनाथ धाम के बीच प्रतिदिन तीन जोड़ी मेमू विशेष ट्रेनें (03501 से 03506) चलाई जाएंगी। ट्रेन सुबह, दोपहर और रात में संचालित होंगी। ये ट्रेन सत्संग नगर हॉल्ट पर भी रुकेंगी। इसके अलावा देवघर और जसीडीह के बीच एक जोड़ी मेमू स्पेशल (03507/03508) प्रतिदिन चलेगी।

वहीं बाबा बैद्यनाथ धाम से बाबा बासुकीनाथ धाम के बीच तीन जोड़ी मेमू ट्रेनें (03509 से 03516) सभी स्टेशनों पर रुकते हुए संचालित होंगी। बासुकीनाथ और देवघर के बीच भी एक जोड़ी मेमू स्पेशल (03517/03518) चलाई जाएगी, जिससे दोनों प्रमुख तीर्थस्थलों के बीच सीधा रेल संपर्क मजबूत होगा।

रेलवे ने बिहार और संताल परगना क्षेत्र के श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 2 अगस्त से 30 अगस्त तक प्रत्येक रविवार जमालपुर-देवघर (03441/03442) और गोड्डा-देवघर (03443/03444) पैसेंजर स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। यह रूट के सभी स्टेशनों पर रुकेंगी।

इसके अलावा आसनसोल-पटना-आसनसोल (03511/03512) और आसनसोल-गोरखपुर-आसनसोल (03527/03528) अनारक्षित श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेनें भी प्रतिदिन चलाई जाएंगी।

आसनसोल-पटना ट्रेन शाम 5 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 2:30 बजे पटना पहुंचेगी और वापसी में सुबह 3:30 बजे चलकर दोपहर 1 बजे आसनसोल पहुंचेगी। वहीं आसनसोल-गोरखपुर ट्रेन रात 9 बजे चलकर अगले दिन सुबह 11 बजे गोरखपुर पहुंचेगी।

वापसी में शाम 4:15 बजे चलकर सुबह 8:20 बजे आसनसोल पहुंचेगी। रेलवे का कहना है कि इन विशेष ट्रेनों से श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। स्टेशनों पर भीड़ कम होगी। पूरी मेला अवधि में सुरक्षित व सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित की जा सकेगी।

पाकुड़ सदर अस्पताल की बदहाली! मरीजों तक नहीं पहुंच रहा ऑक्सीजन प्लांट का लाभ, बाहर से खरीदना पड़ रहा है सिलेंडर

पाकुड़, एजेंसी। झारखंड राज्य के अंतिम छोर पर बसे पाकुड़ जिले के लोगों को स्वस्थ और सुखी झारखंड का बेहतर अनुभव कराने में सरकार नाकाम साबित हो रही है। सिस्टम से जुड़े लोगों की लापरवाही और ठेकेदार की मनमानी का आलम यह है कि सदर अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले लोगों को न तो बहाल ऑक्सीजन प्लांट सेवा का लाभ मिल पा रहा है और न ही लिक्विड ऑक्सीजन का। मरीजों की जिंदगी बचाने के लिए डॉक्टरों को ऑक्सीजन सिलेंडर का सहारा लेना पड़ रहा है।

कोरोना संक्रमण के दौरान करोड़ों रुपये खर्च कर सदर अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट लगाया गया और चालू किया गया, लेकिन वह मरीजों को अपनी सेवा नहीं दे पा रहा है, क्योंकि कई कलपुर्जे खराब हो गए हैं। ऑक्सीजन प्लांट की बदहाली के कारण जिला स्वास्थ्य समिति को बाजार से ऑक्सीजन सिलेंडर खरीदने पड़ रहे हैं, ताकि ऑक्सीजन की कमी के कारण किसी मरीज की जान खतरे में न पड़े।

झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के सभी सदर अस्पतालों में 'लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट' लगाने का फैसला किया था। सरकार के इस फैसले के तहत, पाकुड़ सदर अस्पताल में भी एक लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट लगाया जाना था। लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट लगाने वाली कंपनी के ठेकेदार गैस टैंक समेत कई पार्ट्स तो ले आया, लेकिन उन्हें अभी तक इंस्टॉल और चालू नहीं किया गया। जिसके चलते प्लांट के पार्ट्स और टैंकर अस्पताल में सिर्फ शोपीस बनकर रहा गया है।

इस मामले में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दुर्गा मरांडी ने कहा कि संथाल परगना में स्वास्थ्य विभाग चरमरा गया है। उन्होंने कहा कि दुख इस बात की है कि जिस संथाल परगना प्रमंडल से मुख्यमंत्री, ग्रामीण विकास मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष और स्वास्थ्य मंत्री आते हैं, उस प्रमंडल की स्थिति सबसे खराब है।

वहीं, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ मनीष कुमार ने कहा कि कोरोना काल के समय लगाए गए ऑक्सीजन प्लांट ठीक ठाक है, लेकिन कुछ लोग इसे सरकारी संपत्ति समझकर तोड़ देते हैं, जिसके कारण ऑक्सीजन पाइपलाइन सभी बेड तक नहीं पहुंच पाती है। इसके चलते ऑक्सीजन सिलेंडर रखना पड़ता है। हालांकि कई वार्डो में अभी तक पाइपलाइन नहीं भी पहुंचा है। डॉ। मनीष ने कहा कि लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट के लिए सामान ठेकेदार ने महीनों पहले रखकर चला गया है, जिस पर काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है।

हजारीबाग के बरकट्ठा में हाथी ने किसान को कुचला

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग के बरकट्ठा थाना क्षेत्र के बरकनगांगो गांव में जंगली हाथियों के हमले में किसान चिंतामणि साव की मौत हो गई। मंगलवार सुबह उनका शव गांव के पास खेत में मिला, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों के अनुसार चिंतामणि साव सोमवार दोपहर करीब तीन बजे अपने खेत देखने के लिए घर से निकले थे।

देर शाम तक वापस नहीं लौटे। इसके बाद परिवार और ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की, पर देर रात तक कोई सुराग नहीं मिला। मंगलवार सुबह गांव के कुछ लोगों ने खेत के पास उनका शव देखा। आशंका जताई जा रही है कि जंगली हाथियों के झुंड ने उन्हें कुचलकर मार डाला।

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और कर्मी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। विभाग ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सरकार द्वारा निर्धारित सहायता राशि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। ग्रामीणों के अनुसार पिछले कई दिनों से जंगली हाथियों का झुंड बरकनगांगो और आसपास के गांवों में घूम रहा है। हाथियों की लगातार मौजूदगी के कारण किसान खेतों में जाने से डर रहे हैं, जिससे सामान्य जनजीवन भी प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार सूचना देने के बावजूद हाथियों को आबादी से दूर सुरक्षित जंगल की ओर खदेड़ने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए।

घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। लोगों ने वन विभाग से हाथियों की लगातार निगरानी, आबादी वाले क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, रात्रि गश्ती बढ़ाने और प्रभावित परिवार को शीघ्र उचित मुआवजा देने की मांग की है। प्रशासन ने भी लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

भारतीय मजदूर संघ की अखिल भारतीय कार्यसमिति की बैठक,

रांची में 26 से 28 जुलाई तक होगी मीटिंग, देशभर से संगठन के प्रतिनिधि शामिल होंगे

रांची, एजेंसी। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) की अखिल भारतीय कार्यसमिति की तीन दिवसीय बैठक 26 से 28 जुलाई तक रांची के नामकुम स्थित सरला बिरला विश्वविद्यालय में आयोजित होगी।

बैठक में देशभर से संगठन के प्रतिनिधि शामिल होंगे और संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के मजदूरों से जुड़े मुद्दों, श्रम कानून तथा समसामयिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसकी जानकारी रविवार को आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में भारतीय मजदूर संघ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री धर्मदास शुक्ला, झारखंड प्रदेश महामंत्री राजीव रंजन सिंह और आयोजन समिति के प्रमुख चंदन कुमार प्रसाद ने दी।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय संगठन मंत्री धर्मदास शुक्ला ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए चार श्रम संहिताओं (लेबर कोड) में से भारतीय मजदूर संघ ने मजदूरी संहिता-2019 और सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 का समर्थन किया है। उनका कहना था कि विशेष रूप से सामाजिक सुरक्षा संहिता लागू होने के बाद देशभर के मजदूरों को बड़े स्तर पर राहत मिली है।

हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन औद्योगिक संबंध संहिता-2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य स्थितियां संहिता-2020 के कुछ प्रावधानों से सहमत नहीं है। इन दोनों संहिताओं को लेकर भारतीय मजदूर संघ पहले भी अपनी आपत्तियां सरकार के समक्ष रख चुका है और भविष्य में भी मजदूर हितों के अनुरूप संशोधन की मांग करता रहेगा।

धर्मदास शुक्ला ने कहा भारतीय मजदूर संघ, मजदूर हितों को सर्वोपरि मानता है। सामाजिक सुरक्षा संहिता से श्रमिकों को लाभ मिला है, लेकिन बाकी दो लेबर कोड में ऐसे कई प्रोविजन हैं, जिन पर हमारी असहमति है। हम चाहते हैं कि सरकार मजदूरों के हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सुधार करे। प्रदेश महामंत्री राजीव रंजन सिंह ने बताया कि तीन दिवसीय कार्यसमिति बैठक में श्रमिकों के अधिकार, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, औद्योगिक संबंध और देश की वर्तमान परिस्थितियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श होगा। बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी पारित किए जाएंगे, जो संगठन की आगामी रणनीति तय करेंगे। उन्होंने कहा, भारतीय मजदूर संघ मजदूरों को केवल उत्पादन का साधन नहीं, बल्कि मानव पूंजी मानता है। हमारा विश्वास टकराव नहीं, बल्कि संवाद के माध्यम से समस्याओं के समाधान में है। मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए संगठन हमेशा शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखता रहा है।

आयोजन समिति के प्रमुख चंदन कुमार प्रसाद ने बताया कि 'कार्यक्रम की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। देशभर से आने वाले प्रतिनिधियों के ठहरने, भोजन, परिवहन और बैठक की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी कार्यकर्ता आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं। चंदन कुमार प्रसाद ने कहा, बैठक की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। प्रदेशभर के कार्यकर्ता जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। तीनों दिनों की कार्यवाही और लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी नियमित रूप से मीडिया के माध्यम से साझा की जाएगी।' भारतीय मजदूर संघ की इस राष्ट्रीय बैठक को संगठन की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उम्मीद है कि बैठक में पारित प्रस्ताव आने वाले समय में देशभर में श्रमिकों से जुड़े मुद्दों और श्रम नीतियों पर संगठन की दिशा तय करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

रोंगटे खड़े करने वाली वारदात: वेबसीरीज देखकर रचा गया 'परफेक्ट मर्डर',

पटना, एजेंसी। क्राइम थ्रिलर वेबसीरीज की खौफनाक पटकथा अब असल जिंदगी में उतर आई है। शहर के रामबाग में रिटायर्ड बैंक अधिकारी अशोक कुंवर और उनकी पत्नी नीलम कुंवर की हत्या को जिस शातिराना अंदाज में अंजाम दिया गया,उसने पुलिस के भी होश उड़ा दिए हैं। कातिल ने वारदात से पहले सर्जिकल ग्लव्स, टेप और पॉलिथिन खरीदे ।सड़क पर पसरे सन्नाटे का फायदा उठाते हुए शाम के वक्त कत्ल का ऐसा खेल खेला गया, जिसकी भनक किसी को नहीं लगी। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में किसी भी बाहरी संदिग्ध के अंदर दाखिल होने की तस्वीर तक कैद नहीं हुई! पुलिस का अंदेशा है कि कातिल घर के अंदर ही घात लगाए बैठा था ।पुलिस की सुई दो दिन पहले आए उस नए और रहस्यमयी किरायेदार पर टिक गई है, जो कत्ल के बाद से अचानक गायब है। नीलम कुंवर की खौफनाक लाश उसी के कमरे से बरामद हुई। कातिल को घर के हर कोने, सीसीटीवी की लोकेशन और बाकी किरायेदारों के आने–जाने के समय की पूरी खबर थी। जो किरायेदार ने कमरा लिया है, उसे अन्य रेंटर पहचानते भी नहीं है। हत्यारे ने सबसे पहले नीलम कुंवर की हत्या की। उसने नीलम का हाथ–पैर बांधकर पूरे चेहरे पर पॉलिथिन लपेटी,टेप चिपकाया और फिर बेरहमी से गला रेत दिया। इसके बाद बैंक अधिकारी को भी रास्ते से हटा दिया गया। पुलिस जांच में यह पता चला है कि हत्यारे को पहले से ही घर के रास्ते, किस–किस जगह पर सीसीटीवी हैं, किस फ्लोर पर कौन रेंटर हैं, उनका आने– जाने का क्या टाइमिंग हैं, इसकी जानकारी थी।

गोपालगंज के 11 लाख रुपये साइबर ठगी मामले में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला,

गोपालगंज, एजेंसी। गोपालगंज जिले से जुड़े करीब 11 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले में पटना हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि मुकदमे की सुनवाई के दौरान यदि किसी व्यक्ति के खिलाफ कोई ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य सामने नहीं आता है, तो उसे केवल सह–आरोपी के आवेदन के आधार पर आरोपी के रूप में तलब नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने इस मामले में ट्रायल कोर्ट के समन आदेश को रद्द कर दिया। यह मामला गोपालगंज जिले के हथुआ थाना कांड संख्या– 106/2015 से संबंधित है। आरोप है कि वर्ष 2015 में एक सेवानिवृत्त शिक्षक के बैंक खाते से आईआरसीटीसी के माध्यम से करीब 11 लाख रुपये की साइबर ठगी की गई थी। मामले की जांच के बाद पुलिस ने राहुल कुमार झा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया, जबकि याचिकाकर्ता को अभियोजन पक्ष का गवाह बनाया गया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष के छह गवाहों की गवाही दर्ज की गई। हालांकि, किसी भी गवाह ने याचिकाकर्ता की संलिप्तता का उल्लेख नहीं किया। इसके बावजूद सह–आरोपी की ओर से दायर आवेदन पर ट्रायल कोर्ट ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 319 के तहत याचिकाकर्ता को आरोपी के रूप में समन जारी कर दिया। न्यायमूर्ति चंद्रशेखर झा की एकलपीठ ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 319 के तहत किसी व्यक्ति को आरोपी बनाने की शक्ति असाधारण है। इसका उपयोग अत्यंत सावधानी के साथ और तभी किया जाना चाहिए, जब ट्रायल के दौरान उसके खिलाफ पर्याप्त एवं विश्वसनीय साक्ष्य उपलब्ध हों। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ सुनवाई के दौरान कोई भी आपत्तिजनक साक्ष्य सामने नहीं आया। ऐसे में केवल सह–आरोपी के आवेदन के आधार पर समन जारी करना कानून की कसौटी पर खरा नहीं उतरता।

बिहार रेजिमेंटल सेंटर में आयोजित हुआ फ्लड रेस्क्यू सेमिनार

पटना, एजेंसी। झारखंड एवं बिहार सब एरिया की ओर से बिहार रेजिमेंटल सेंटर में सोमवार को फ्लड रेस्क्यू ऑपरेशन सेमिनार और आधुनिक बचाव उपकरणों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और नागरिक एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और त्वरित राहत कार्यों को मजबूत बनाना था। कार्यक्रम में बिहार के राज्यपाल और सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन ने आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न स्टॉल और राहत शिविरों का निरीक्षण किया। उन्होंने एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना और एयर फोर्स की आपदा राहत तैयारियों का जायजा लिया तथा आधुनिक ड्रोन तकनीक का भी अवलोकन किया। राज्यपाल ने कहा कि आपदा के समय समयबद्ध और संयुक्त प्रयास ही जन–धन की हानि को न्यूनतम करने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं। राज्यपाल ने आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मियों की सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन समन्वित तैयारी, क्षमता निर्माण और जन–जागरूकता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने भविष्य में बाढ़ राहत और बचाव अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सभी एजेंसियों के बीच बेहतर सहयोग पर बल दिया।

9 दिन बाद शुरू होगा विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला

98 किमी कांवरिया पथ पर युद्धस्तर पर तैयारियां, जानिए क्या-क्या बदलेगा

सुलतानगंज (भागलपुर), एजेंसी। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला शुरू होने में अब सिर्फ नौ दिन बचे हैं और सुलतानगंज से देवघर तक 98 किलोमीटर लंबे कांवरिया पथ की तस्वीर तेजी से बदलने लगी है। उत्तरवाहिनी गंगा से जल भरकर बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। घाटों से लेकर कांवरिया पथ, पार्किंग, स्वास्थ्य शिविर, सुरक्षा व्यवस्था और ट्रैफिक प्लान तक हर स्तर पर तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं। इधर, सावन की शुरुआत से पहले ही कांवरियों का सुलतानगंज पहुंचना शुरू हो गया है। गंगा से जल भरने और बाबा बैद्यनाथ को अर्पित करने का संकल्प लेने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है।

सुलतानगंज से देवघर तक करीब 98 किलोमीटर लंबे कांवरिया पथ पर सड़क, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा रहा है। जिला प्रशासन ने सभी विभागों को तय समयसीमा के भीतर काम पूरा करने का निर्देश दिया है।

अधिकारियों का कहना है कि इस बार श्रद्धालुओं को पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर सुलतानगंज थाना परिसर में आयोजित समीक्षा बैठक में होटलों की व्यवस्था को लेकर भी अहम निर्णय लिया गया।

सदर एसडीएम विकास कुमार ने बताया कि शहर के सभी होटल और लॉज का सूचीकरण किया जाएगा। होटल संचालकों को ठहरने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही प्रशासनिक जरूरतों के लिए एक-दो कमरे सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए जाएंगे।

श्रावणी मेला के दौरान हर वर्ष लाखों श्रद्धालुओं और हजारों वाहनों के कारण ट्रैफिक का दबाव काफी बढ़ जाता है। इसे देखते हुए प्रशासन इस बार विशेष रूट चार्ट जारी करेगा।

अलग-अलग पार्किंग स्थलों का निरीक्षण किया जा चुका है। अधिकारियों ने पार्किंग क्षमता, वाहन प्रवेश और निकास मार्ग, भीड़ प्रबंधन तथा आपातकालीन स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था का भी आकलन किया।

विधि-व्यवस्था डीएसपी नवनीत कुमार ने बताया कि मेला क्षेत्र की सुरक्षा का विस्तृत आकलन पूरा कर लिया गया है। विभिन्न जिलों से अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। पुलिसकर्मियों के ठहरने की व्यवस्था भी लगभग पूरी कर ली गई है।

इसके अलावा पूरे मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस सहायता केंद्र, बैरिकेडिंग और लगातार निगरानी की व्यवस्था रहेगी।

इसके अलावा पूरे मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस सहायता केंद्र, बैरिकेडिंग और लगातार निगरानी की व्यवस्था रहेगी। भागलपुर जिला प्रशासन की समीक्षा बैठक के बाद एडीएम, एसडीएम, पुलिस अधिकारियों और विभिन्न विभागों की टीम ने सोमवार को सुलतानगंज मेला क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अजगैबीनाथ मंदिर, नमामि गंगे घाट, सीढ़ी घाट, कांवरिया पथ, पार्किंग स्थल, नियंत्रण कक्ष, स्वास्थ्य शिविर, पेयजल व्यवस्था, शौचालय, विद्युत व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग और यातायात प्रबंधन का जायजा लिया गया।जहां भी निर्माण कार्य अधूरा मिला, वहां अतिरिक्त संसाधन और मानवबल लगाकर तेजी से काम पूरा करने के निर्देश दिए गए।

इस बार प्रशासन श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर कई मोर्चों पर एक साथ काम कर रहा है। घाटों पर पर्याप्त बैरिकेडिंग और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। स्वास्थ्य शिविरों में 24 घंटे चिकित्सा सुविधा उपलब्ध रहेगी। शुद्ध पेयजल, साफ-सुथरे शौचालय और नियमित सफाई की व्यवस्था की जा रही है।

भीड़ नियंत्रण के लिए वन-वे ट्रैफिक सिस्टम लागू करने की तैयारी है। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के जरिए पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी की जाएगी। आपदा प्रबंधन और अग्निशमन संसाधनों को भी अलर्ट मोड में रखा जाएगा।

प्रशासन का कहना है कि इस बार सभी विभागों के समन्वय से श्रावणी मेले को पहले से अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और श्रद्धालु अनुकूल बनाने का लक्ष्य रखा गया है। तैयारियों की प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है और प्रत्येक विभाग को समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।आने वाले दिनों में जैसे-जैसे श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ेगी, वैसे-वैसे सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को भी चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।

बिहार में वज्रपात का कहर, वार्ड सदस्य समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत

आरा, एजेंसी। बिहार में कई जगहों पर जोरदार बारिश हुई है। सोमवार को भोजपुर में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली ने कहर बरपाया है। जिले के चरपोखरी, गड़हनी और आयर थाना क्षेत्रों में हुई तीन अलग-अलग घटनाओं में एक वार्ड सदस्य समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज आरा सदर अस्पताल एवं निजी अस्पताल में चल रहा है।

वज्रपात का कहर: पहली घटना चरपोखरी थाना क्षेत्र के खराटी गांव की है, जहां कामता सिंह के 33 वर्षीय पुत्र गोविंद कुमार की खेत में धान की रोपनी के दौरान ठनका गिरने से मौत हो गई। वह पेशे से किसान थे।

धान की रोपनी के दौरान वज्रपात: परिजनों के अनुसार सोमवार सुबह रोपनी के दौरान अचानक तेज बारिश शुरू हुई और इसी बीच उन पर आकाशीय बिजली गिर गई।गंभीर रूप से घायल गोविंद कुमार को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया जा रहा था लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

18 वर्षीय युवती की मौत: दूसरी घटना गड़हनी थाना क्षेत्र के मंदुरी गांव में हुई। यहां नदी किनारे खेत में रोपनी कर रही वीरेंद्र चौधरी की 18

वर्षीय पुत्री नंदनी कुमारी की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना में उसकी 15 वर्षीय छोटी बहन चांदनी कुमारी और गांव की एक अन्य किशोरी भी घायल हो गई।

आकाशीय बिजली गिरने से तीन की मौत: परिजन दोनों बहनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने नंदनी को मृत घोषित कर दिया। घायल चांदनी का इलाज सदर अस्पताल तथा दूसरी किशोरी का इलाज निजी अस्पताल में कराया जा रहा है।

वार्ड सदस्य की भी मौत: तीसरी घटना आयर थाना क्षेत्र के असधन गांव की है, जहां वार्ड संख्या 11 के वार्ड सदस्य भिखारी सिंह की ठनका गिरने से मौत हो गई। घटना में गांव के ललन सिंह (50 वर्ष) और उनकी पत्नी शिवकुमारी देवी (40 वर्ष) भी घायल हो गए। दोनों का इलाज आरा सदर अस्पताल में चल रहा है।

पटना में आम लोगों को बेहतर सुविधा देने के लिए 44 करोड़ से बनेंगे चार हाईटेक सामुदायिक भवन

पटना, एजेंसी। पटना नगर निगम क्षेत्र में आम लोगों को बेहतर सुविधा देने के लिए चार नए अत्याधुनिक सामुदायिक भवन बनाए जा रहे हैं। इसमें से एक श्रीकृष्णा पुरी पार्क, वैशाली गोलंबर और गायत्री मंदिर के पास बनाए जाएंगे। इसके अलावा वार्ड संख्या- 10 में भी एक नए सामुदायिक भवन के निर्माण की तैयारी है, जिसे नगर निगम से मंजूरी मिल गई है। इनमें से तीन भवनों में सामुदायिक हॉल के साथ अंचल कार्यालय भी संचालित किए जाएंगे।

नूतन राजधानी अंचल के अंतर्गत श्रीकृष्णा पुरी पार्क के पास बिजली कार्यालय के निकट लगभग 14.87 करोड़ रुपये की लागत से चार मंजिला भवन बनाया जा रहा है। वहीं, बांकीपुर अंचल के वार्ड- 36 में वैशाली गोलंबर के पास 14.51 करोड़ रुपये की लागत से भवन निर्माण जारी है। इसी प्रकार कंकड़बाग अंचल के वार्ड- 34 में गायत्री मंदिर के समीप 14.51 करोड़ रुपये की लागत से मल्टी स्टोरी बिल्डिंग तैयार की जा रही है। बांकीपुर और कंकड़बाग अंचल कार्यालय भी इन्हीं भवनों में संचालित होंगे।

नगर निगम इन सामुदायिक भवनों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की योजना पर काम कर रहा है। सभी भवनों में लिफ्ट, दो-दो सीढ़ियां और पूरी तरह सेंट्रलाइज्ड एसी सिस्टम लगाया जाएगा। सेंट्रलाइज्ड एसी और अन्य आधुनिक सुविधाओं के कारण कारण अब इन भवनों का किराया भी महंगा होने जा रहा है। निगम प्रशासन का कहना है कि अत्याधुनिक सुविधाओं और बढ़ते रखरखाव खर्च को देखते हुए इन भवनों की बुकिंग दरों में बढ़ोतरी की जाएगी।

राजधानी में वर्तमान समय में लगभग 12 से 14 सामुदायिक भवन संचालित हैं। इनमें एक दिन की बुकिंग के लिए करीब 2500 रुपये शुल्क लिया जाता है, जबकि बिजली उपयोग के लिए अलग से लगभग 1000 रुपये जमा करने पड़ते हैं। बुकिंग के लिए संबंधित वार्ड पार्षद की सहमति के बाद कार्यपालक पदाधिकारी को आवेदन देना अनिवार्य है। लोगों को समान अवसर देने के उद्देश्य से अधिकतम तीन दिनों तक की बुकिंग की अनुमति दी जाती है।हालांकि, नगर निगम के पास सामुदायिक भवनों से होने वाली कुल आय का स्पष्ट और व्यवस्थित रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। यही वजह है कि नए भवनों के संचालन और शुल्क निर्धारण को लेकर प्रशासन अलग से व्यवस्था तैयार कर रहा है।

बिहार कैबिनेट की बैठक में 10 बड़े फैसलों को मंजूरी

श्यामा प्रसाद मुखर्जी और जुब्बा साहनी के नाम पर खुलेंगे विश्वविद्यालय

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार देर शाम अचानक बुलाई गई बिहार कैबिनेट की बैठक में 10 महत्वपूर्ण एजेंडों पर मुहर लगाई गई। मानसून सत्र के दौरान हुई इस बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना से जुड़े बड़े फैसले लिए गए। बैठक के बाद कैबिनेट ब्रीफिंग नहीं की गई।

जननायकों के नाम पर विश्वविद्यालय: बैठक में भागलपुर में डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कंप्यूटर साइंस का विश्वविद्यालय स्थापित करने का फैसला लिया गया। वहीं मुजफ्फरपुर में स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद जुब्बा साहनी के नाम पर आर्किटेक्चर और सिविल इंजीनियरिंग का विश्वविद्यालय खोला जाएगा। यह विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर के इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी परिसर में स्थापित होगा। मुख्यमंत्री ने कुछ दिनों पहले ही इन विश्वविद्यालयों की घोषणा की थी, जिसे अब कैबिनेट ने औपचारिक मंजूरी दे दी है।

जननायकों को सम्मान, युवाओं को नई दिशा: सरकार का यह कदम देश और राज्य की महान हस्तियों के योगदान को सम्मान देने तथा नई पीढ़ी को प्रेरित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी और जुब्बा साहनी जैसे महान व्यक्तित्वों के नाम पर विश्वविद्यालय स्थापित होने से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता वृद्धि के साथ-साथ छात्रों को विशेष क्षेत्रों में बेहतर अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही सरकार ने फैसला लिया है कि सोशल मीडिया पर गाली-गलौज करने वालों पर गुंडा एक्ट लगाया जाएगा।

छात्रों को मिलेगा 6000 का किट: कैबिनेट ने स्कूली शिक्षा को मजबूत करने के लिए 511 सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल स्कूल शुरू करने का फैसला किया। नवमी कक्षा के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराने के लिए 6000 मूल्य का विशेष किट प्रदान किया जाएगा। इस किट के वितरण की जिम्मेदारी जीविका दीदियों को सौंपी गई है, जिससे ग्रामीण महिलाओं को भी आर्थिक सशक्तिकरण का अवसर मिलेगा।

स्वास्थ्य मंत्री का जन्मदिन मनाया: कैबिनेट बैठक समाप्त होने के बाद स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार का जन्मदिन मनाया गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत अन्य मंत्रियों ने उन्हें बधाई दी और मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

विकास और जनकल्याण पर फोकस: बैठक में जनहित, प्रशासनिक सुधार और ढांचागत विकास से जुड़ी अन्य 8 योजनाओं को भी मंजूरी दी गई। इन फैसलों से राज्य में रोजगार सृजन, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार तथा विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में कैबिनेट की यह बैठक राज्य के समग्र विकास को सुदृढ़ करने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

बिहार में पूर्व मुखिया के घर पर बमबाजी, इलाके में दहशत का माहौल

वैशाली, एजेंसी। बिहार के वैशाली में बमबाजी हुई है। जंदाहा थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर भाथ पंचायत के वार्ड संख्या 12 में पूर्व मुखिया शंभू यादव के घर के पास बेखौफ बदमाशों ने बमबारी कर दहशत फैला दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से एक जिंदा बम और एक खोखा बरामद किया है। बताया जा रहा है कि तीन बम फोड़ा गया है, जिसकी जांच के लिए एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंची है।

पूर्व मुखिया के घर पर बमबाजी: घटना के पीछे पुरानी रंजिश बताई जा रही है। करीब 15 दिन पहले जंदाहा बाजार के कुशवाहा चौक के पास जलजमाव के दौरान एक ट्रक के गुजरने से कीचड़ उछल गया था। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने ट्रक चालक की पिटाई कर दी थी।

पहले के विवाद में हमला: इसी बात का बदला लेने के लिए मुकुंदपुर भाथ गांव में चल रहे नौ दिवसीय यज्ञ के दौरान ट्रक चालक के परिजनों ने

मेला घूमने आए कुशवाहा चौक के कुछ लोगों की पिटाई की थी। माना जा रहा है कि इसी रंजिश के चलते कुशवाहा चौक के लोगों ने मुकुंदपुर भाथ पंचायत के वार्ड संख्या 10 में बम फेंककर दहशत फैलाई है।

क्या बोले एसडीपीओ: मौके पर पुलिस अधिकारी पहुंच चुके हैं। इस संबंध में महुआ एसडीपीओ ने बताया कि घटना का कोई चश्मदीद गवाह नहीं है। स्थानीय लोगों ने बताया कि जिन पर आरोप लगाए जा रहे हैं, उनके खिलाफ पूर्व के विवाद को लेकर एक मामला दर्ज है। फिलहाल मामले की छानबीन की जा रही है।

बक्सर-भागलपुर सिक्स लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण बिहार सरकार अपने दम पर करेगी

भागलपुर , एजेंसी। बक्सर से भागलपुर तक सिक्स लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण होने वाला है। इसके लिए अभी तक केंद्र सरकार के पथ परिवहन, एवं राजमार्ग मंत्रालय के अधीन भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की तरफ से मौजूदा एनएच को डेवलप कर हाई स्पीड कॉरिडोर बनाने की योजना थी। लेकिन अब इसमें नया अपडेट आ गया है।

जानकारी के मुताबिक, इस एक्सप्रेसवे का निर्माण केंद्र सरकार की बजाय बिहार सरकार खुद ही अपने दम पर करेगी। इसके साथ ही संभावना है कि एक्सप्रेसवे के रूट में बदलाव हो। बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेसवे के निर्माण को लेकर बिहार सरकार के पथ निर्माण विभाग के अंतर्गत आने वाली एजेंसी बीएसआरडीसीएल ने तैयारी शुरू कर दी है।

निगम ने परियोजना की कार्य योजना तैयार कर ली है और अब डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कराने के लिए कंसल्टेंसी एजेंसी के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। चयनित कंसल्टेंट एजेंसी को हर हाल में 6 महीने के अंदर डीपीआर बनाकर बीएसआरडीसीएल को सौंपना अनिवार्य किया गया है। एजेंसी के लिए पूरा असाइनमेंट एक साल का निर्धारित कि गया है।

बीएसआरडीसीएल की ओर से डीपीआर तैयार कराने के लिए कंसल्टेंट एजेंसी बहाल कर ही रही है। इसके साथ ही वह लेनदेन सलाहकार(टीए) भी चयनित करेगी। यानी, परियोजना के वित्तीय, तकनीकी और संविदा संबंधी कार्यों के लिए ट्रांजक्शन एडवाइजर (लेनदेन सलाहकार) की भी नियुक्ति होगी। इससे परियोजना को तय समय पर आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

प्रस्तावित एक्सप्रेसवे की लंबाई करीब 350 किलोमीटर होगी। यह बक्सर से शुरू होकर आरा, पटना, मोकामा और मुंगेर होते हुए भागलपुर तक पहुंचेगा। परियोजना के तहत एनएच-922, एनएच-31 और एनएच-33 के

हिस्सों का चौड़ीकरण कर उन्हें चार से छह लेन का बनाया जायेगा। एक्सेस-कंट्रोल्ड होने के कारण इस मार्ग पर गाड़ियों की आवाजाही अधिक सुरक्षित और तेज होगी।

एक्सप्रेसवे बनने के बाद बक्सर से भागलपुर तक की यात्रा वर्तमान लगभग 9 घंटे के बजाय करीब चार घंटे में पूरी की जा सकेगी। इससे पश्चिम और पूर्व बिहार के बीच आवागमन आसान होगा और आर्थिक गतिविधियों को भी नयी गति मिलेगी।

एक्सप्रेसवे बनने से यात्रा तेज होगी। साथ ही कम दूरी और बेहतर सड़क के कारण गाड़ियों के ईंधन खपत भी घटेगी, जिससे आम लोगों और परिवहन कंपनियों दोनों को लाभ मिलेगा। बिहार के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों को तेज सड़क नेटवर्क से जोड़ेगा। उद्योगों, कृषि उत्पादों और अन्य सामानों की ढुलाई पहले की तुलना में कम समय में हो सकेगी, जिससे व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

कॉरिडोर बनने से मुंगेर, भागलपुर, मोकामा, पटना और आरा जैसे शहरों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। इससे नये निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी और इन शहरों का आर्थिक महत्व भी बढ़ेगा। बेहतर सड़क संपर्क मिलने से विक्रमशिला, सुल्तानगंज, मुंगेर और पटना सहित विभिन्न धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक पर्यटकों की पहुंच आसान होगी। इससे पर्यटन क्षेत्र को भी नया बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

बीएसआरडीसीएल की ओर से जारी निविदा के तहत निविदा कागजात डाउनलोड करने का डेट 16 जुलाई से 5 अगस्त तक रखा गया है। प्री-प्रपोजल मीटिंग 27 जुलाई को होगी। निविदा भरने की अंतिम तारीख 27 जुलाई निर्धारित की गयी है।

निविदा का तकनीकी बिड 5 अगस्त को खोली जायेगी। इसमें मूल्यांकन के बाद सफल एजेंसियों को लेकर वित्तीय बिड खोली जायेगी। जिस एजेंसी का बिड रेट कम होगा उनका चयन किया जायेगा और डीपीआर बनाने की जिम्मेदारी सौंप दी जायेगी। यानी, अगस्त से डीपीआर बनना शुरू हो जायेगा।

संक्षिप्त समाचार

चलती बस के टायर से उठा धुआं, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

जगदीशपुर। एम्स थाना क्षेत्र के कुसम्ही बाजार में सोमवार शाम गोरखपुर से कुशीनगर जा रही यात्रियों से भरी एक अनुबंधित बस के टायर से अचानक धुआं उठने लगा। धुआं उठता देख बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, कुशीनगर जा रही बस जैसे ही कुसम्ही बाजार पहुंची उसके एक टायर से अचानक धुआं निकलने लगा। यह देखकर आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया और चालक को इसकी जानकारी दी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चालक ने तुरंत बस को सड़क किनारे रोक दिया। इसके बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बस से बाहर उतार लिया गया। घटना में किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है। कुछ देर बाद स्थिति सामान्य होने पर यात्री दूसरे साधनों से अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए।

भाई ने ही फूंक दिया घर, बाल-बाल बच गया पूरा परिवार

आगरा। आगरा के अछनेरा क्षेत्र के गांव साधन में दोपहर एक व्यक्ति ने अपने ही भाई के घर में आग लगा दी। वारदात में पीड़ित परिवार बाल-बाल बच गया। चीख-पुकार पर जुटे लोगों ने आग बुझाई। बुझाने में एक युवक भी झुलस गया। वहीं लोगों ने आरोपी युवक को पीटकर पुलिस को सौंप दिया। आग से चारपाई, बिस्तर, कपड़े, नकदी समेत हजारों रुपये का सामान जल गया। पुलिस के मुताबिक गांव साधन निवासी रिंकू पर अपने सगे भाई रूपसिंह पुत्र रमेश के कमरे में आग लगाने का आरोप है। आग बुझाने के दौरान पड़ोसी युवक मोहित (20) झुलस गया। उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अछनेरा भेजा गया। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। वहीं, गांव की महिलाओं ने अवैध शराब की बिक्री होने का आरोप लगाते हुए थाना प्रभारी से शिकायत की है। आरोप है कि नशे में युवक आए दिन मारपीट करते रहते हैं। यह वारदात भी नशे के कारण ही हुई है। वहीं, पुलिस ने पीड़ित रूप सिंह की पत्नी शकुंतला देवी की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

उत्तराखंड वन विभाग और एसओजी ने लकड़ी तस्करों की तलाश में दी दबिश

बहेड़ी। उत्तराखंड वन विभाग और एसओजी ने खैर की लकड़ी चोरी करने वाले तीन तस्करों की तलाश में सोमवार को बहेड़ी में फिर दबिश दी। तीनों गोदाम मालिक तस्कर नहीं मिले। वन विभाग ने स्थानीय पुलिस से उनकी गिरफ्तारी के लिए मदद मांगी है। 12 जुलाई को एसडीओ गोला और खटीमा रेंज ने एसओजी के साथ बहेड़ी के धोबी तालाब रोड पर एक गोदाम पर छापा मारा था। यह कार्रवाई उत्तराखंड वन विभाग के चीफ कंजरवेटर के आदेश पर हुई थी। विभाग के मुताबिक, तस्कर उत्तराखंड के जंगल से खैर की लकड़ी चोरी कर गोदाम में छिपाते थे। बड़ी खेप इकट्ठी होने पर वे इसे ट्रकों में भरकर बाहर भेजते थे। जांच में पता चला कि यह खेल लंबे समय से चल रहा था। इससे तस्कर करोड़पति भी बन गए। टीम ने गोदाम से 200 क्विंटल लकड़ी बरामद की और उसको उत्तराखंड ले गई थी। दो चोरों और उनके तीन अज्ञात साथियों के खिलाफ रिपोर्ट भी दर्ज की गई थी। आशंका है कि आरोपी रिश्तेदारों के घर छिपे हैं और ठिकाना बदल रहे हैं। वन विभाग नगर की आरा मशीनों की भी जांच कर रहा है। उनको अन्य गोदामों पर भी लकड़ी छिपी होने की आशंका है। अब स्थानीय पुलिस से मदद मांग गई है।

ड्राइवर पर मालिक से 1.16 करोड़ रुपये हड़पने का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

पादरी बाजार (गोरखपुर)। शाहपुर क्षेत्र के बशारतपुर स्थित भोलाजीपुरम कॉलोनी निवासी व्यक्ति से उसके कार चालक पर मकान बनवाने के नाम पर 1.16 करोड़ रुपये हड़पने का आरोप लगा है। कोर्ट के आदेश पर शाहपुर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। मेडिकल रोड स्थित भोलाजीपुरम निवासी बाबूराम प्रसाद ने कोर्ट में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनका चालक देवेंद्र सिंह मकान बनवाने के नाम पर पिछले तीन वर्षों से उनसे लगातार रुपये लेता रहा। आरोप है कि देवेंद्र ने बैंक ट्रांजैक्शन के माध्यम से 96.16 लाख रुपये और नकद 20 लाख रुपये लिए। इसके अलावा उसने उनके हस्ताक्षरित चेक चोरी कर कई लाख रुपये खाते से निकाल लिए। पीड़ित का आरोप है कि जब उन्होंने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपी पहले टालमटोल करता रहा और बाद में काम पर आना भी बंद कर दिया। इतना ही नहीं रुपये मांगने पर उसने जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि पैसा भूल जाओ नहीं तो गाड़ी से दुर्घटना कराकर हत्या करा दूंगा। सीओ गोरखनाथ रवि सिंह ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चढ़ावा चोरी की रकम से लखनऊ में खरीदी गईं बेशकीमती संपत्तियां

आठ आरोपियों की चल-अचल संपत्ति की हो रही जांच

लखनऊ, एजेंसी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी से राजधानी में खरीदी गई संपत्तियों की छानबीन की जा रही है। माना जा रहा है आरोपियों ने अपने और परिजनों के नाम शहर के कई इलाकों में संपत्तियां खरीदी थीं। एसएसपी अयोध्या डॉ. गौरव ग्रोवर ने इस संबंध में डीएम लखनऊ विशाख जी को पत्र भेजा है। पत्र में नामजद आठों आरोपियों और उनके 46 परिजनों के नाम दर्ज कृषि, अकृषि, व्यावसायिक या आवासीय जमीनों का ब्योरा मांगा गया है। डीएम लखनऊ ने नगर निगम, आवास विकास परिषद और राजस्व विभाग के लोगों को जल्द से जल्द रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा है। चढ़ावा चोरी की विवेचना कर रहे सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने बीते दो वर्षों में खरीदे गए आरोपियों के चल व अचल संपत्ति की जानकारी मांगी है। उन्होंने विवेचना में इसे अहम बताया है। राजधानी की पांचों तहसीलों में राजस्व विभाग के कर्मचारी रजिस्ट्री खंगाल रहे हैं। नामजद आरोपियों में

अविनाश शुक्ला के अलावा उसके पिता और चार भाईयों व भतीजा-भतीजी का नाम-पता भेजा गया है। वहीं, आरोपी अनुकल्प के अलावा उसके परिवार के पांच लोगों के नाम दिए गए हैं। ऐसे ही आरोपी करुणेश पांडेय और उसके आठ परिजनों, आरोपी लवकुश मिश्र और उसके पांच परिजनों, आोपी मनीष कुमार यादव और उसके दो परिजनों, आरोपी रमाशंकर मिश्र और उसके सात परिजनों, आरोपी रामशंकर यादव और उसके आठ परिजनों और आरोपी सुभाष श्रीवास्तव और उसके दो परिजनों के नाम दर्ज संपत्ति का ब्योरा मांगा गया है।

इनकम टैक्स को देंगे आय से अधिक संपत्ति की रिपोर्ट

सूत्रों का कहना है कि जिला प्रशासन की ओर से रिपोर्ट मिलने के बाद अयोध्या पुलिस इसे इनकम टैक्स से साझा करेगी। इनकम टैक्स आरोपियों की चल अचल संपत्ति खंगालेगी। माना जा रहा है कि इसके बाद आरोपियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का केस भी दर्ज होगा। अयोध्या पुलिस लखनऊ प्रशासन के विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। उल्लेखनीय है कि आरोपियों के खिलाफ अयोध्या के रामजन्म भूमि थाने में एफआईआर दर्ज है।

टिन्नू ने लोन पर ली थी कार, फिर एकमुश्त किया भुगतान, निवेश से जुड़े सुराग जुटा रही जांच टीम

अयोध्या, एजेंसी। चढ़ावा चोरी मामले में कस्टडी रिमांड के दौरान मुख्य आरोपी टिन्नू यादव की संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन से जुड़ी कई अहम जानकारी सामने आई है। पता चला है कि टिन्नू ने कार फाइनेंस पर खरीदी थी, लेकिन बाद में एकमुश्त नकद भुगतान कर दिया था। टिन्नू ने करीब ढाई लाख की बाइक नकद खरीदने की जानकारी दी थी। आशंका है कि बाइक भी चोरी के पैसों से खरीदी गई। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया।

शनिवार की सुबह करीब आठ बजे पुलिस ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले के मुख्य आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और उसके भतीजे मनीष यादव को कस्टडी रिमांड पर बाहर निकाला था। 39 घंटे की कस्टडी रिमांड के दौरान दोनों से चोरी से जुड़े कई खुलासे हुए हैं।

पुलिस ने टिन्नू के कब्जे से एक लग्जरी कार और बाइक बरामद की थी। सूत्रों के

मुताबिक टिन्नू ने कार खरीदते समय कुछ राशि देकर उसे फाइनेंस कराया था, लेकिन कुछ ही समय बाद शेष पूरी रकम जमाकर कार लोन खत्म कर दिया। आशंका है कि चोरी के पैसों को ही एकमुश्त जमा कराया होगा। पूछताछ में टिन्नू से इस बात की पुष्टि भी की है।

एलएलबी छात्रों के दो गुट भिड़े, पार्षद सहित छह गिरफ्तार

अलीगढ़, एजेंसी। श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय में सोमवार को एलएलबी के छात्रों के दो गुटों के बीच विवाद मारपीट में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच लात-घूंसे चले, जिसमें भाजपा के नामित पार्षद सहित दो छात्र घायल हो गए। पुलिस ने पार्षद सहित दोनों पक्षों के तीन-तीन छात्रों को शांति भंग में गिरफ्तार किया है।

राजनीतिक सिफारिशों के बाद भी पुलिस ने उन पर शांतिभंग की कार्रवाई कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महाविद्यालय परिसर में स्कूटी के पहिये से बारिश के पानी के छींटे उठने पर विवाद हुआ। इसी बात पर दोनों गुटों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई।

शोर-शराबा होने पर प्रोक्टोरियल टीम और शिक्षक मौके पर पहुंचे तथा छात्रों को अलग कर मामला शांत कराया। इसके बाद दोनों पक्षों को बातचीत के लिए प्राचार्य कार्यालय में बुलाया गया।

एक पक्ष का आरोप था कि परिसर में जलभराव वाले स्थान से स्कूटी निकालते समय जानबूझकर उन पर पानी उछाला गया, विरोध करने पर विवाद बढ़ गया। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि बिना किसी वजह के उनके साथ अभद्रता की गई और फिर मारपीट शुरू कर दी गई।

प्राचार्य कार्यालय में भी दोनों पक्षों के बीच फिर से तीखी नोकझोंक हो गई। स्थिति बिगड़ते देख महाविद्यालय प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी। गांधी पार्क थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों के तीन-तीन छात्रों को गिरफ्तार कर लिया। घायल पार्षद का उपचार भी कराया गया है।

इंस्पेक्टर गांधी पार्क विजय सिंह के अनुसार इनमें नगर निगम के नामित पार्षद अरुण शर्मा के अलावा प्रदीप शर्मा उर्फ गोलू व प्रशांत कुमार सिंह, दूसरे पक्ष से इशांत गुप्ता, युगांत गुप्ता व प्रशांत गुप्ता शामिल हैं।

बारिश में हुए फॉल्ट, नौ घंटे तक गुल रही बिजली, 72 से अधिक इलाकों में बिजली संकट से जूझे लोग

कानपुर, एजेंसी। शुक्रवार और सोमवार को हुई बारिश के दौरान हुए फॉल्ट और ट्रिपिंग से शहर के 72 से अधिक इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रही। कई क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को आठ से नौ घंटे तक बिजली संकट झेलना पड़ा जबकि कुछ इलाकों में पांच से छह घंटे तक आपूर्ति प्रभावित रही।

घंटाघर एक्सप्रेस रोड पर सोमवार सुबह ट्रांसफार्मर में खराबी आने से रात आठ बजे तक बिजली आपूर्ति ठप रही। पशुपतिनगर, श्यामनगर और यशोदानगर के आसपास के क्षेत्रों में भी ट्रांसफार्मर खराब होने से पूरे दिन बिजली नहीं आई। आवास विकास-1 में नौ घंटे तक आपूर्ति बाधित रही। इसके अलावा कैलाश विहार, कल्याणपुर, अहिरवां, यादवनगर, न्यू शिवली, विकासनगर, गोविंदनगर, पनकी, लाजपतनगर, दर्शनपुरवा, फजलगंज, जरीबचौकी, भन्नापुरवा, हैरिसगंज, जेके कॉलोनी, जाजमऊ, कृष्णानगर, ट्रांसपोर्टनगर, सिंहपुर बिठूर, अवधपुरी और बाबूपुरवा समेत कई इलाकों में बिजली संकट रहा। सूर्य विहार केस्को से जुड़े क्षेत्रों में भी आपूर्ति

प्रभावित रही। केस्को के मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा ने बताया कि बारिश के कारण कई जगह फॉल्ट की समस्या आई थी। टीमों ने मौके पर पहुंचकर मरम्मत कार्य कराया और बिजली आपूर्ति बहाल की।

बिजली गुल रहने से प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को पानी की समस्या का भी सामना करना पड़ा। उपभोक्ताओं ने केस्को के टोल फ्री नंबर 1912 और सबस्टेशनों पर शिकायतें दर्ज कराईं लेकिन निर्धारित समय पर आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी।

बिजली चोरी वाले इलाकों को चिह्नित करें : एमडी : बारिश के बीच केस्को की प्रबंध निदेशक नेहा जैन ने 33/11 केवी उपकेंद्र पराग डेयरी का निरीक्षण किया।

उन्होंने निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिक लाइन लॉस वाले फीडरों में बिजली चोरी वाले क्षेत्रों को चिह्नित करने के निर्देश दिए। प्रबंध निदेशक ने पराग डेयरी क्षेत्र में मॉडर्नाइजेशन योजना के तहत प्रस्तावित नए 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र के लिए चिह्नित भूमि का भी निरीक्षण किया।

'दीदी, मुझे कुछ हो जाए तो...', आत्मदाह करने वाले महेश की मौत

भाई-बहन के वीडियो ने खड़े किए सवाल

कानपुर, एजेंसी। कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र में पत्नी से विवाद के बाद थाने के भीतर खुद को आग लगाने वाले मजदूर महेश (38) की रविवार देर रात इलाज के दौरान लखनऊ के अस्पताल में मौत हो गई। महेश के परिजनों ने अब उसके ससुरालवालों पर पिटाई का आरोप लगाया है।कहना है कि पत्नी से विवाद और ससुरालियों की पिटाई से आहत होकर ही महेश ने जान दी है। सोमवार को महेश का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, जिसमें अस्पताल में भर्ती महेश ससुरालवालों पर आरोप लगा रहा है। महाराजपुर थाना प्रभारी जनार्दन सिंह का कहना है कि अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

थाने के भीतर खुद को लगा ली थी आग : मिलेगी तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी। मामले में वायरल किसी भी वीडियो की अमर उजाला पुष्टि नहीं करता है। बता दें कि बीती 14 जुलाई को थाना क्षेत्र के फुफवार राजथोक गांव निवासी महेश ने थाने के भीतर खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली थी।

पत्नी और ससुरालवालों पर गंभीर आरोप : उसे बचाने में तीन पुलिस कर्मी भी झुलस गए थे। महेश के खिलाफ एक दिन पहले ही उसकी पत्नी

पूनम ने मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महेश का कहना था कि उसकी पत्नी और ससुरालवाले उसे फंसा रहे हैं और थाने में ही उसने चिल्लाते हुए कहा कि मुझे इंसाफ चाहिए। फिर खुद को आग लगा ली थी। महेश को 14 की शाम ही उर्सला से लखनऊ रेफर किया गया था। वह 90 प्रतिशत जला हुआ था। इधर, सोमवार को भी जारी वीडियो में भी झुलसे अवस्था में महेश अपने ससुरालियों पर आरोप लगा रहा है। पुलिस जांच कर रही है।

दीदी....हमें कुछ हो जाए तो इन्हें मत छोड़ना : सोमवार को महेश की बड़ी बहन दाया का भी वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ। इसमें दया बता रही है कि घर पर किसी युवक के रुकने को लेकर महेश का अपनी पत्नी पूनम से विवाद हुआ था। इस पर पूनम मायके चली गई थी।

पत्नी ने मारपीट की रिपोर्ट दर्ज करा दी : आरोप है कि 12 जुलाई को जब महेश पत्नी को लेकर सचेंडी स्थित अपनी ससुराल पहुंचा तो वहां भी उसके साथ न सिर्फ मारपीट की गई बल्कि ससुराल वाले उसे घसीटते हुए थाने ले गए और वहां भी उसकी पिटाई की। इसके बाद 13 जुलाई को उसके खिलाफ महाराजपुर थाने में पत्नी ने उसके खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज करा दी।

ससुराल में पिटाई की बात बताई : इसके बाद ही महेश 14 जुलाई को महाराजपुर थाने गया था, जहां सुनवाई न होने पर उसने खुद को आग लगा ली थी। दाया के मुताबिक घटना के बाद वह ही सबसे पहले अपने भाई महेश से मिलने उर्सला गई थी। तब महेश ने ससुराल में पिटाई की बात बताते हुए कहा था कि बहन यदि मुझे कुछ हो जाए, तो इन लोगों को बिल्कुल न छोड़ना।

बाजार में अलीगढ़ में बनीं मूर्तियों की बढ़ी मांग

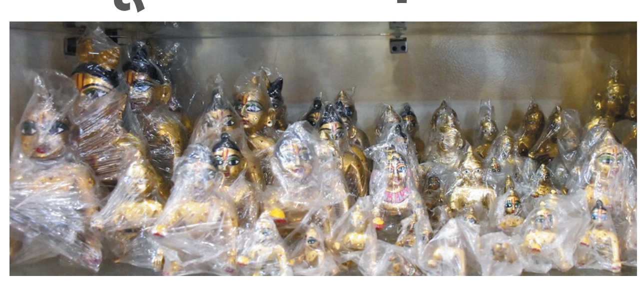

अलीगढ़। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व नजदीक आते ही अलीगढ़ में पीतल की मूर्तियों के कारोबार में रौनक लौट आई है। लड्डू गोपाल और राधा-कृष्ण की मूर्तियों की मांग तेजी से बढ़ रही है। अलीगढ़ में तैयार हो रहीं मूर्तियां कर्नाटक, महाराष्ट्र और बंगलूरु समेत देश के कई राज्यों तक पहुंच रही हैं।

बढ़ती मांग के चलते कारीगर दिन-रात मूर्तियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। मूर्ति कारोबारी अशोक यादव ने कहा कि जन्माष्टमी पर लड्डू गोपाल और राधा-कृष्ण की मूर्तियों के ऑर्डर मिल रहे हैं। बाजार में लड्डू गोपाल की मूर्तियां 200 से 7,000 रुपये तक, जबकि राधा-कृष्ण की आकर्षक पीतल मूर्तियां 250 से 50,000 रुपये तक में उपलब्ध हैं।

अलग-अलग डिजाइन, आकार और कलात्मक नक्काशी वाली मूर्तियां श्रद्धालुओं को खूब पसंद आ रही हैं। ब्रास मूर्ति कारोबारी अर्पित मित्तल ने बताया कि इस वर्ष पिछले वर्षों की तुलना में अधिक ऑर्डर मिल रहे हैं। उनका कहना है कि अलीगढ़ की पीतल कला अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता और सुंदर शिल्पकारी के कारण देशभर में पहचान बना रही है।

कैंटर के नीचे फंसी कार, सड़क पर खून से सनी लाशें

मंजर देख कांप गई रूह, भयानक हादसे में दो युवकों की मौत

आगरा, एजेंसी। आगरा में बाह-फतेहाबाद मार्ग पर सोमवार की रात बाबा की तिबरिया के पास कैंटर और वरना कार की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। इस भयानक हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार का अगला हिस्सा कैंटर में बुरी तरह फंस गया। कार सवारों की तड़प-तड़पकर मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने कार से शवों को निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने हाइड्रा और कटर मशीन की मदद से कार को काटकर दोनों शवों को बाहर निकाला।

कैंटर और कार में आमने-सामने की हुई टक्कर

पुलिस के मुताबिक सोमवार रात करीब 1:46 बजे बाह की ओर से आ रही वरना कार की फतेहाबाद की तरफ जा रहे तेज रफ्तार कैंटर से आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार दोनों लोग अंदर ही फंस गए।

दो घंटे की मशक्कत के बाद कार काटकर निकाले गए शव

हादसा इतना भीषण था कि वरना कार का अगला हिस्सा कैंटर में बुरी तरह फंस गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पहले अपने स्तर पर कार सवारों को निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम और हाइड्रा मशीन मौके पर पहुंची। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद कार को कैंटर से अलग किया गया। फिर कटर

मशीन से कार को काटकर दोनों शव बाहर निकाले गए। इस दौरान मार्ग पर लोगों की भारी भीड़ जमा रही।

मृतकों की नहीं हो सकी शिनाख्त

हादसे के बाद कैंटर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। अभी तक मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस उनकी शिनाख्त के प्रयास में जुटी हुई है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रफ्तार बनी हादसे की वजह, दोनों वाहन तेज गति में थे

प्रथम दृष्टया हादसे की वजह दोनों वाहनों की तेज रफ्तार मानी जा रही है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसका अगला हिस्सा पूरी तरह कैंटर में समा गया। हादसे की भयावहता को देखते हुए पुलिस का भी मानना है कि यदि किसी एक वाहन की गति नियंत्रित होती तो संभवतः इतनी बड़ी दुर्घटना टाली जा सकती थी। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

टक्कर के बाद करीब 100 मीटर तक कार को घसीटता ले गया कैंटर

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद कैंटर चालक वाहन नहीं रोक सका और कार को करीब 100 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। इससे कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार दोनों लोग बुरी तरह फंस गए। हादसे के बाद चालक कैंटर छोड़कर मौके से फरार हो गया।

हादसे के बाद मार्ग पर लगा थमी वाहनों की रफ्तार

भीषण हादसे के बाद बाह-फतेहाबाद मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। दुर्घटनाग्रस्त कैंटर और कार सड़क पर फंसे रहने के कारण करीब दो घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात को नियंत्रित किया और एक-एक कर वाहनों को निकाला। हाइड्रा की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाए जाने के बाद ही मार्ग पर यातायात सामान्य हो सका। इस दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं और राहगीरों की भीड़ भी मौके पर जुटी रही।

रेल यात्रियों के लिए जरूरी खबर, मालगाड़ी पलटने से कई ट्रेनों के मार्ग बदले गए

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली रेल मंडल के गाजियाबाद-नई दिल्ली खंड के बीच मंगलवार तड़के कोयला से भरे मालगाड़ी के 6 वैगन पटरी से उतरने के कारण इस रूट पर ट्रेन परिचालन बाधित हो गया है। कई ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया है। यात्रा करने से पहले यात्रियों को अपने ट्रेन के बारे में जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए जिससे कि पता चल सके कि वह किस रूट से चलेगी।

16 राज्यों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी; हिमाचल में फटे बादल

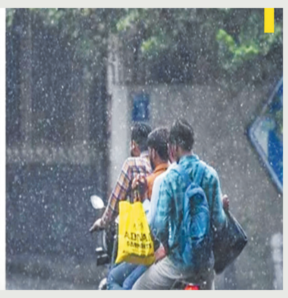

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में सुबह से ही हल्की बूंदाबांदी का सिलसिला शुरू हो गया है। मौसम विभाग के ताजा अनुमान के मुताबिक आज दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत देश के 16 राज्यों में भारी बारिश के साथ तेज आंधी-तूफान की गंभीर चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान मौसम का मिजाज काफी आक्रामक हो सकता है और करीब 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से प्रचंड हवाएं चल सकती हैं।

मौसम विभाग ने जिन 16 राज्यों के लिए खास तौर पर भारी बारिश और आंधी का पूर्वानुमान जारी किया है, उनमें उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, गुजरात और केरल शामिल हैं।

इस मौसमी बदलाव का सबसे ज्यादा असर उत्तरी राज्यों में देखने को मिल सकता है, जहां तूफानी हवाओं का रौद्र रूप लोगों की मुश्किलें बढ़ा सकता है। अचानक मौसम बिगड़ने की आशंका को देखते हुए विभाग ने विशेष रूप से उत्तरी भारत के निवासियों को सतर्क और सुरक्षित रहने की सलाह दी है।

हिमाचल में तीन जगह फटे बादल, पुल व फसलें तबाह: हिमाचल में भारी वर्षा के रेड अलर्ट के बीच सोमवार को चंबा जिले के पांगी में तीन जगह बादल फटने से नालों में बाढ़ आ गई। यहां काम कर रहे श्रमिम फंस गए, जिन्हें ग्रामीणों ने नाले के आर-पार लोहे की सीढ़ी बिछाकर निकाला। बाढ़ से पुलियों व रास्तों के क्षतिग्रस्त होने के साथ नकदी फसल भी तबाह हो गई हैं। मंडी जिले में पहाड़ी धंसने से कुफरू सड़क के नीचे 90 फीट लंबी कृत्रिम झील बन गई है।

ई20 से इंजन खराब होता है? सरकार ने दिया जवाब, केंद्रीय मंत्री ने संसद में एथेनॉल पर रखे आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने पेट्रोल में मौजूदा 20 प्रतिशत से अधिक एथेनॉल मिश्रण पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है और आने वाले समय में कोई भी फैसला वैज्ञानिक अध्ययन और पक्षकारों से चर्चा के बाद लिया जाएगा। यह जानकारी केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने सोमवार को राज्य सभा में दी। उच्च सदन में लिखित जवाब में गोपी ने कहा कि फिलहाल एथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य को ई20 से आगे बढ़ाने का अब तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि एथेनॉल मिश्रण का स्तर बढ़ाने के किसी भी प्रस्ताव पर फैसला व्यापक वैज्ञानिक और तकनीकी अध्ययन एवं ऑटोमोबाइल निर्माताओं, तेल विपणन कंपनियों और अनुसंधान संस्थानों के साथ विचार-विमर्श के बाद ही लिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने का अपना लक्ष्य तय समय से पांच साल पहले ही हासिल कर लिया। इसे दो दशकों से ज्यादा समय तक चरणबद्ध तरीके से लागू करने के बाद, पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने का औसत स्तर 2013-14 में लगभग 1.53 प्रतिशत से बढ़कर 2025-26 एथेनॉल आपूर्ति वर्ष के दौरान 20 प्रतिशत तक पहुंच गया है। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी के अनुसार, वर्ष 2014-15 से लागू एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम ने देश को महत्वपूर्ण आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ पहुंचाए हैं। इस कार्यक्रम के कारण अब तक 1.97 लाख करोड़ रुपए से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है, करीब 316 लाख टन कच्चे तेल के आयात में कमी आई है, लगभग 952 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी दर्ज की गई है और किसानों को 1.66 लाख करोड़ रुपए से अधिक की अतिरिक्त आय प्राप्त हुई है।

अस्पताल इलाज का केंद्र है, हिरासत का नहीं

सफदरजंग रेजिडेंट डॉक्टर्स ने राष्ट्रपति को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली, एजेंसी। सोनम वांगचुक प्रकरण को लेकर वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर अस्पताल की स्वायत्तता, मरीजों के अधिकार और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए हस्तक्षेप की मांग की है।

डॉक्टरों का कहना है कि वांगचुक की भर्ती के दौरान अस्पताल परिसर में अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था की गई, कई हिस्सों को सील कर दिया गया और इससे सामान्य मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुईं।

पत्र में कहा गया है कि यदि कोई सक्षम मरीज लीव अगेंस्ट मेडिकल एडवाइस (एलएएमए) लेकर अस्पताल छोड़ना चाहता है और उसे इसकी अनुमति नहीं दी जाती, तो यह उसकी स्वायत्तता और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। डॉक्टरों ने कहा कि सरकारी अस्पताल उपचार के लिए होते हैं, उन्हें कानून प्रवर्तन एजेंसियों के विस्तार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। अस्पताल प्रशासन को किसी भी गैर-चिकित्सकीय दबाव से मुक्त रखा जाना चाहिए।

लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल की निंदा

रेजिडेंट डॉक्टरों ने जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल की भी निंदा की। पत्र में लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के फैकल्टी सदस्यों और छात्रों के साथ कथित दुर्व्यवहार का उल्लेख करते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों और संवैधानिक स्वतंत्रताओं के विपरीत बताया गया है। आरडीए ने राष्ट्रपति से पूरे घटनाक्रम की स्वतंत्र, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच, सक्षम मरीजों के एलएएमए अधिकार की रक्षा, अस्पतालों को केवल स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित रखने, सफदरजंग अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा, दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई तथा स्वास्थ्यकर्मियों, छात्रों और शांतिपूर्ण नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। एसोसिएशन की ओर से अध्यक्ष डॉ. देवांशी कौल, उपाध्यक्ष डॉ. राहुल, महासचिव डॉ. आयुष राज, संयुक्त सचिव डॉ. अमित यादव और कोषाध्यक्ष डॉ. रोहित राठी ने हस्ताक्षर कर कहा कि यह पत्र किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि मेडिकल एथिक्स, मरीजों के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए लिखा गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन मुद्दों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया तो स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं और डॉक्टरों में असंतोष बढ़ सकता है।

आरएमएल अस्पताल में घायलों से मिले केजरीवाल, जारी किया मेडिकल और लीगल हेल्पलाइन नंबर

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में सोमवार को हुए सीजेपी के संसद मार्च के दौरान हुए लाठीचार्ज आदि में कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। अब इन घायलों के मदद के लिए आप संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल आगे आए हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो जारी कर जानकारी दी है कि 20 जुलाई के प्रदर्शन में घायल हुए किसी भी बच्चे कोई मेडिकल या कानूनी सहायता चाहिए हो तो वह केजरीवाल द्वारा जारी नंबर पर कॉल कर सकते हैं। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर वीडियो के साथ पोस्ट में लिखा है, कल बच्चों के साथ हुई बर्बरता बेहद शर्मनाक है। अगर किसी भी बच्चे को कोई भी Legal या Medical Help की जरूरत है, तो इस नंबर पर Message करें - Helpline No. - 85-888-33548। हम आपके लिए बेस्ट से बेस्ट लीगल टीम उपलब्ध करवाएंगे। हम सब एक हैं। आप सब हमारे बच्चे हो। आप बिल्कुल घबराना मत, हम आपके साथ खड़े हैं। ये लड़ाई हम मिलकर लड़ेंगे।

घायलों से मिलने आरएमएल पहुंचे केजरीवाल: प्रदर्शन के दौरान जो घायल छात्र आरएमएल अस्पताल में भर्ती हैं उनसे मिलने आज सुबह केजरीवाल खुद अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कहा कि यहां सिर्फ एक बच्चा गंभीर रूप से घायल है। हमारे पास कोई सही फिगर नहीं हैं कि कितने बच्चे घायल हैं।

कश्मीरी एक्टिविस्ट खुर्रम परवेज और इरफान मेराज की जमानत पर रोक से इनकार, आतंकी फंडिंग केस में हाई कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ष 2020 के आतंकी फंडिंग से जुड़े यूएपीए मामले में कश्मीरी मानवाधिकार कार्यकर्ता खुर्रम परवेज और पत्रकार इरफान मेराज को ट्रायल कोर्ट से जमानत मिली थी। इस जमानत पर रोक लगाने से दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को इनकार कर दिया। अदालत ने मामले में सख्त जमानत शर्तें लगाते हुए दोनों को रिहा करने के आदेश को बरकरार रखा। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि खुर्रम परवेज और इरफान मेराज के खिलाफ लगे आरोप बेहद गंभीर हैं। हालांकि, ट्रायल कोर्ट ने दोनों को सख्त शर्तों के साथ जमानत दी है। ऐसे में हाई कोर्ट ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक नहीं लगाएगा।

खुर्रम परवेज की रिहाई का रास्ता साफ: हाई कोर्ट के जमानत पर रोक लगाने से इनकार करने के फैसले के बाद खुर्रम परवेज के जेल से रिहा होने का रास्ता साफ हो गया है। खुर्रम परवेज और इरफान मेराज के खिलाफ वर्ष 2020 में आतंकी फंडिंग से जुड़े मामले में गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले की सुनवाई अभी जारी है।

दिल्ली के फतेह नगर में एक मकान की पार्किंग में लगी आग

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली के फतेह नगर स्थित जेल रोड पर रणबीर बेकरी के पास मंगलवार तड़के एक मकान की पार्किंग में भीषण आग लग गई। दिल्ली फायर सर्विस को सुबह 3-48 बजे सूचना मिली, जिसके बाद आनन-फानन में कुल नौ दमकल वाहन मौके पर पहुंचे। आग में दो कारें, दो स्कूटी और ग्राउंड प्लस तीन मंजिला मकान का लगभग 200 वर्ग गज क्षेत्र प्रभावित हुआ। घटना के दौरान दो एलपीजी सिलेंडर भी फट गए। दमकल कर्मियों ने अभियान चलाकर आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। सुबह 6-35 बजे आग पूरी तरह बुझा दी गई।

बड़े जलभराव हॉटस्पॉट पर दिखा असर, अब दिल्ली को स्थायी समाधान का इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में इस मानसून के दौरान जलभराव के कुछ प्रमुख हॉटस्पॉट पर पहले की तुलना में राहत देखने को मिली है। दिल्ली सरकार द्वारा मानसून से पहले नालों की सफाई, पंपिंग स्टेशनों की क्षमता बढ़ाने, संवेदनशील स्थानों की निगरानी और विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय जैसे कदमों का असर कुछ प्रमुख स्थानों पर दिखाई दिया है। हालांकि, शहर के कई अन्य हिस्सों में तेज वर्षा के दौरान अब भी जलभराव की समस्या बनी हुई है, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नेपाल का यू-टर्न; लिपुलेख-कालापानी विवाद पर बड़ा फैसला, 1 रुपए के सिक्के का बदलेगा डिजाइन

काठमांडु, एजेंसी। नेपाल सरकार ने 1 रुपए के सिक्के के डिजाइन में बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। नए डिजाइन में उस विवादित राजनीतिक नक्शे को हटा दिया गया है, जिसमें लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया था। इसकी जगह अब लो घ्याकर बौद्ध मठ की तस्वीर होगी, जो मुस्तांग जिले के मारांग गांव में स्थित नेपाल के सबसे पुराने बौद्ध मठों में से एक माना जाता है। यह फैसला नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रस्ताव पर मंत्रिपरिषद की मंजूरी के बाद लिया गया है। हालांकि, 2 रुपए के सिक्के पर फिलहाल विवादित नक्शा बना रहेगा। साल 2020 में तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार ने नया राजनीतिक नक्शा जारी किया था। इसमें लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया था। इसके बाद भारत और नेपाल के संबंधों में तनाव बढ़ गया था। भारत का कहना है कि ये तीनों इलाके उत्तराखंड का हिस्सा हैं, जबकि नेपाल इन पर अपना दावा करता है। यह विवाद 1816 की सुगौली संधि की अलग-अलग व्याख्याओं पर आधारित है। नेपाल राष्ट्र बैंक ने सिक्कों का आकार और वजन भी कम करने का फैसला किया है। नया 1 रुपये का सिक्का 4 ग्राम की जगह 3.2 ग्राम और 2 रुपये का सिक्का 5 ग्राम की जगह 3.8 ग्राम का होगा। दोनों सिक्के अब मिश्रित धातु की बजाय स्टील से बनाए जाएंगे और इनका रंग भी पीले की जगह स्टील जैसा सफेद होगा। नेपाल सरकार का कहना है कि इससे निर्माण लागत कम होगी। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता भीम रावल ने इस फैसले का विरोध किया है।

ट्रंप की टैरिफ रणनीति ने भारत समेत व्यापारिक साझेदारों के साथ अमेरिका की स्थिति को मजबूत किया : जैमीसन ग्रीर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापक टैरिफ (आयात शुल्क) नीति का बचाव करते हुए कहा है कि इससे दुनिया के कई देशों के साथ व्यापार वार्ता में अमेरिका की स्थिति मजबूत हुई है। उनका दावा है कि इस नीति ने भारत समेत कई प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ समझौते आगे बढ़ाने में मदद की है और अमेरिकी विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र को फिर से मजबूत करने की सरकार की कोशिशों को भी गति मिली है। द न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में ग्रीर ने कहा कि टैरिफ नीति के खिलाफ कानूनी चुनौतियां और अर्थशास्त्रियों व कारोबारी संगठनों की आलोचना के बावजूद सरकार की रणनीति सफल साबित हो रही है। जब उनसे पूछा गया कि क्या टैरिफ नीति काम कर रही है, तो उन्होंने कहा, 'बिल्कुल। मुझे लगता है कि हमें बड़ी सफलता मिली है। जब भी आप किसी बड़ी नीति में बदलाव करते हैं और बड़े कारोबारी या विशेष हितों को चुनौती देते हैं, तो विरोध होना तय है। कई लोग पुरानी व्यवस्था बनाए रखना चाहते हैं, लेकिन हम उसे बदलना चाहते हैं।'

ग्रीर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने तेजी से कदम इसलिए उठाए क्योंकि उसका मानना था कि लगातार बढ़ता अमेरिकी व्यापार घाटा देश की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर समस्या बन गया है। उनके अनुसार, व्यापक टैरिफ लगाने से अमेरिका को कई देशों के साथ नए व्यापार समझौतों पर बातचीत करने में फायदा मिला।

उन्होंने बताया कि इस नीति की बदौलत अमेरिका ने ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, इंडोनेशिया, भारत और जापान जैसे देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत आगे बढ़ाई।

ग्रीर ने यह भी स्वीकार किया कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के टैरिफ कार्यक्रम के एक बड़े हिस्से को रद्द कर दिया था। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी रणनीति पर कोई पछतावा नहीं है।

उन्होंने कहा, 'हमारी नीतियों को अदालत में चुनौती मिलना कोई नई बात नहीं है। हमेशा कुछ लोग ऐसे होंगे जो अमेरिकी कामगारों की कीमत पर अपना फायदा कमाना चाहते हैं और अपने पुराने कारोबारी मॉडल को बचाने के लिए मुकदमे करेंगे।' ग्रीर के मुताबिक, प्रशासन अब दूसरे कानूनी विकल्पों के जरिए अपनी व्यापार नीति को आगे बढ़ा रहा है और कई दशकों से चली आ रही अमेरिकी व्यापार व्यवस्था में बड़े बदलाव के लिए प्रतिबद्ध है।

चीन में महाविनाश का जाल, बारिश में आधी रात को खोले जाते बांध, सोते लोगों पर टूटता है मौत का कहर

बीजिंग, एजेंसी। दुनिया में सबसे अधिक बांध और जलाशय बनाने वाला देश चीन अब इन्हीं परियोजनाओं को लेकर सवालों के घेरे में है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चीन में करीब 1 लाख जलाशय और बांध हैं। इनका उद्देश्य बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई, बिजली उत्पादन और जल संरक्षण था, लेकिन हर बारिश के मौसम में यही बांध हजारों लोगों के लिए खतरा बन जाते हैं। रिपोर्टों के अनुसार, चीन में कई बार जलाशयों से अचानक पानी छोड़ दिया जाता है, लेकिन नीचे रहने वाले लोगों को पहले से कोई सूचना नहीं दी जाती। कई बार रात के समय फ्लड गेट खोल दिए जाते हैं, जिससे लोग संभल भी नहीं पाते और बाढ़ उनके घरों तक पहुंच जाती है।

गुआंग्शी प्रांत के कई गांवों में जुलाई की शुरुआत में ऐसी ही स्थिति देखने को मिली। कई घरों की छत तक पानी भर गया। कुछ लोगों ने छतों पर चढ़कर जान बचाई, जबकि कई लोग तेज बहाव में लापता हो गए। 6 जुलाई को गुआंग्शी प्रांत के लीउलान जलाशय के टूटने से भारी तबाही मच गई। लगातार बारिश और टाइफून के बाद तड़के करीब तीन बजे पानी तेजी से बढ़ने लगा। सुबह सात बजे बांध टूट गया और कई कस्बे पानी में डूब गए। खेती, मछली पालन और सड़कें बर्बाद हो गईं। कई इलाकों में बिजली और संचार व्यवस्था ठप हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार हजारों परिवार प्रभावित हुए और कई लोग घंटों तक राहत का इंतजार करते रहे।

रिपोर्टों के अनुसार, 2022 में ही स्थानीय जल संसाधन विभाग ने कई परियोजनाओं में गुणवत्ता संबंधी खामियों की ओर इशारा किया था। लीउलान जलाशय की मरम्मत परियोजना भी इन्हीं में शामिल थी। इसके बावजूद समय पर सुधार नहीं किए गए, जिसके बाद भारी बारिश में बांध क्षतिग्रस्त हो गया। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन के कई बांध दशकों पहले बनाए गए थे। समय के साथ उनकी संरचना कमजोर होती गई है। बिजली उत्पादन, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण जैसे कई उद्देश्यों के कारण इन पर लगातार दबाव बढ़ता है। भारी बारिश के दौरान यही कमजोरियां सामने आती हैं।

चीन के इतिहास में 1975 का बानकियाओ बांध हादसा दुनिया की सबसे बड़ी बांध त्रासदियों में गिना जाता है। उस समय बांध टूटने से भारी बाढ़ आई थी और विभिन्न अनुमानों के अनुसार लाखों लोग प्रभावित हुए तथा बड़ी संख्या में मौतें हुईं। इस घटना को लेकर लंबे समय तक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई थी। बाढ़ से प्रभावित गांवों में लोगों ने बताया कि कुछ ही घंटों में पानी दूसरी मंजिल तक पहुंच गया। कई परिवार भोजन, पानी और बिजली के बिना फंस गए। कई लोग अब भी अपने लापता परिजनों की तलाश कर रहे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यदि समय पर चेतावनी, मजबूत निर्माण और पारदर्शी प्रबंधन सुनिश्चित नहीं किया गया, तो हर मानसून में लाखों लोग इसी तरह के खतरे का सामना करते रहेंगे।

न्यूयॉर्क मेयर ममदानी के बयान से इजरायल नाराज, ट्रंप बोले- नेतन्याहू की गिरफ्तारी असंभव

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की गिरफ्तारी से जुड़े न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

ममदानी ने कहा था कि नेतन्याहू के खिलाफ गाजा में युद्ध अपराध और मानवता के विरुद्ध अपराध के मामले में इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आइसीसी) की तरफ से गिरफ्तारी वारंट जारी है।

उनका प्रशासन इजरायली पीएम को सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में शामिल होने के दौरान गिरफ्तार करने की संभावनाओं को खंगाल रहा है। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में साफ किया कि अमेरिका में होते हुए नेतन्याहू को किसी भी तरीके से गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में ममदानी का उल्लेख नहीं किया।

नेतन्याहू के कार्यालय ने प्रतिक्रिया में आईसीसी को कंगारू कोर्ट बताते हुए अदालत द्वारा जारी अरेस्ट वारंट को बोगस करार दिया है। पीएमओ के अनुसार, आइसीसी के पास न तो अमेरिका और न इजरायल के ऊपर किसी तरह का न्यायिक क्षेत्राधिकार है।

बयान में आगे कहा गया है कि आइसीसी के पूर्व अभियोजक करीम खान ने अपने खिलाफ यौन दुर्व्यवहार के बाद के आरोपों से ध्यान हटाने के लिए एक भ्रामक रणनीति के रूप में वारंट जारी करवाया था।

एक्स पर प्रकाशित एक तीखी आलोचना में, प्रधानमंत्री कार्यालय ने दावा किया कि ममदानी न्यूयार्क में घरेलू मुद्दों पर पर्दा डालने के लिए इजरायल को निशाना बनाकर खान की रणनीति का अनुकरण कर रहे थे।

पीएमओ ने लिखा कि ममदानी को खान के

आपराधिक व्यवहार का समर्थन करने की बजाय अपनी नीतियों को ठीक करने पर ध्यान देना चाहिए, जिसके चलते न्यूयॉर्क में संकट बढ़ता जा रहा है। ममदानी बेवजह यहूदी नेता और पश्चिम एशिया में एकमात्र लोकतांत्रिक देश को निशाना बनाने में अपना समय नष्ट कर रहे हैं।

संपादकीय | रिश्तों की मर्यादा का ध्यान रखना जरूरी

अक्सर सुना जाता है कि अधिकतर बेटे समय के साथ बदल जाते हैं. मां-बाप की सेवा नहीं करते, उन्हें अंतिम समय में तंग करते हैं या प्रॉपर्टी के लिए झगड़ा करते हैं परंतु आज जब पिछले लगभग 24 सालों से मैं बुजुर्गों के लिए काम कर रही हूं तो जहां बेटियां अच्छे कार्यों में बेटों से कम नहीं, वहां कुछ बेटियां बुरे कामों में भी कुछ बुरे बेटों से कम नहीं. मुझे बड़ी हैरानी होती है कि बेटियां तो कभी ऐसी नहीं होती थीं, क्योंकि बेटियां तो हमारे देश में पूजी जाती हैं.

कन्या को देवी का रूप माना जाता है, जहां गार्गी, मैत्रेयी, रानी लक्ष्मीबाई, अहिल्याबाई होल्कर और कल्पना चावला जैसी महान बेटियां हुई हैं. लेकिन अब समाचारों में सुनती हूं कि कहीं कोई बेटी अपने माता-पिता के साथ क्रूरता करती है, कहीं रिश्तों को लालच और स्वार्थ के लिए तोड़ा जा रहा है. कहीं गलत संगत और क्षणिक क्रोध में अपराध हो रहे हैं. अभी-अभी सुना कि एक बेटी ने अपनी मां को मार दिया. कुछ दिनों पहले एक बेटी ने अपने मंगेतर को विवाह से पहले मार दिया. कई नई विवाहित महिलाओं ने अपने पति को मौत के घाट उतार दिया.

मैं सभी बेटियों को दोष नहीं देती. आज भी हमारी लाखों-करोड़ों बेटियां अपने माता-पिता की समर्पित भाव से सेवा कर रही हैं. विभिन्न क्षेत्रों में देश का नाम रोशन कर रही हैं. लेकिन जो बेटियां गलत रास्ते पर जा रही हैं उनसे मैं हाथ जोड़कर कहना चाहती हूं कि कोई भी कदम उठाने से पहले एक बार अपनी मां का चेहरा याद कर लेना. वह बचपन याद कर लेना, जब तुम्हारी एक छोटी-सी चोट पर तुम्हारे माता-पिता

की आंखों में आंसू आ जाते थे.

जिस मां ने तुम्हें नौ महीने अपनी कोख में रखा, जिस पिता ने तुम्हारे सपनों के लिए अपनी इच्छाएं त्याग दीं उनका दिल कभी मत दुखाना. आधुनिक बनो, आगे बढ़ो, अपने अधिकारों के लिए खड़ी हो, आसमान छुओ लेकिन अपनी जड़ों और संस्कारों को मत भूलो. आजादी का अर्थ मनमानी नहीं है. आधुनिकता का अर्थ रिश्तों को भूल जाना नहीं है और अधिकारों के साथ हमारे कुछ कर्तव्य भी होते हैं. बेटियों तुम शक्ति हो, तुम ममता हो, तुम संस्कार हो, तुम घर की रौनक हो और समाज का भविष्य हो.

ऐसा कोई भी काम मत करना जिससे तुम्हारे माता-पिता को दुनिया के सामने सिर झुकाना पड़े. ऐसा जीवन जियो कि वे गर्व से कहें 'हां यह हमारी बेटी है.' तुम बेटी हो उड़ो, खूब ऊंचा उड़ो लेकिन अपनी जड़ों को मत भूलो. दुनिया को बदलो, लेकिन अपने संस्कार मत बदलो. आधुनिक बनो, आत्मनिर्भर बनो, शक्तिशाली बनो लेकिन इंसानियत, ममता और रिश्तों की मर्यादा को हमेशा अपने दिल में जीवित रखो. क्योंकि बेटी केवल एक परिवार की पहचान नहीं बेटी समाज का संस्कार और राष्ट्र का भविष्य है. बेटी सशक्त संस्कारवान होगी तो परिवार सशक्त, संस्कारवान होगा, परिवार सशक्त, संस्कारवान होगा तो समाज भी सशक्त होगा, समाज होगा तो देश भी सशक्त और संस्कारवान होगा. क्योंकि एक बेटी किसी भी रूप में परिवार की धुरी होती है.

गरीब मरीजों की अनदेखी कब तक?

चिकित्सा पेशे की सबसे बुनियादी और प्राथमिक शर्त यही होनी चाहिए कि एक चिकित्सक किसी घायल व्यक्ति का बिना किसी औपचारिकता की मांग किए तुरंत इलाज करे और सबसे पहले उसका जीवन बचाने की कोशिश करे। विडंबना यह है कि कई बार अस्पताल और वहां मौजूद डाक्टर घायल मरीज को तुरंत उपचार मुहैया कराने के बजाय टालमटोल करते हैं या फिर मना कर देते हैं। नतीजतन, सिर्फ इलाज न मिलने की वजह से बच सकने वाले व्यक्ति की भी मौत हो जाती है। सवाल है कि ऐसी स्थिति में पीड़ित की मौत के लिए किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। गौरतलब है कि बीते मार्च में बलात्कार की शिकार हुई महज चार साल की एक बच्ची को बुरी तरह घायल अवस्था में गाजियाबाद के दो निजी अस्पतालों में ले जाया गया, लेकिन वहां उसे भर्ती करने से मना किया गया। आखिरकार इसी वजह से उसकी जान चली गई। सवाल है कि जघन्य

अपराध का शिकार हुई पीड़ित बच्ची को तुरंत उपचार मुहैया कराना डाक्टरों ने जरूरी क्यों नहीं समझा? ऐसे में बच्ची की मौत के लिए आखिर उन अस्पतालों और वहां मौजूद डाक्टरों को भी जिम्मेदार क्यों नहीं माना जाए? इस मामले में बीते शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों और डाक्टरों को कड़ी फटकार लगाते हुए तल्ख टिप्पणी की कि अगर आप अपनी ड्यूटी नहीं निभा सकते, तो आपको डाक्टर कहलाने का कोई हक नहीं है। अदालत ने यह भी पूछा कि क्या आपने इसलिए नजरअंदाज किया कि पीड़ित बच्ची गरीब थी और आपकी फीस नहीं दे सकती थी? शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी इस घटना के बहाने बड़े फलक के सवाल उठाती है। यह शिकायत आम है कि निजी अस्पतालों में किसी मरीज के इलाज के बजाय पैसे को ज्यादा अहमियत दी जाती है और गरीब तबकों के लोगों को वहां उपेक्षा या खराब व्यवहार का सामना करना पड़ता है। मगर बलात्कार जैसे गंभीर अपराध का शिकार और घायल होने की स्थिति के बावजूद अगर बच्ची का इलाज करने से मना किया गया, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि उन अस्पतालों के प्रबंधक और डाक्टर कितने संवेदनहीन रहे होंगे। चिकित्सा पेशे से जुड़े सभी लोगों और संस्थानों को सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में अपनी ड्यूटी और उपयोगिता के बारे में ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ विचार करने की जरूरत है।

आज का कार्टून

धर्म की आड़ में आस्था से विश्वासघात...

> राजनीतिक और सामाजिक बहसों में यह तर्क भी दिया जाता है कि जिन्होंने मंदिर बनाने में कोई त्याग नहीं किया, उनको इस मामले में नहीं बोलना चाहिए। फिर एक और मत भी जनता के सामने रखा जाता है कि जिस व्यक्ति ने अपनी पूरी आयु लगा कर मंदिर को संभव बनाया वह ऐसा नहीं हो सकता। अगर उनके सहयोगी दान और चढ़ावे में घपला करते पकड़े जाएं, तो इसमें उनका क्या दोष? जिस व्यक्ति पर ठीकरा फोड़ा गया, वह न्यास के महासचिव का चालक था। विचित्र बात है कि बड़े लोगों पर दोषपूर्ण प्रबंधन और लापरवाही के आरोप लगते हैं, लेकिन पकड़े जाते हैं साधारण लोग। सीसीटीवी फुटेज में साधारण कर्मचारी ही दिखाई देते हैं। आज इस पूरे परिदृश्य को देख कर आम आदमी स्तब्ध है। वह सोच रहा है कि यह कैसा माहौल है, जहां धर्म-कर्म से जुड़े लोग ही अधर्म करते रहे और उनकी आस्था को ठेस पहुंचाते रहे। काजल की कोठरी से प्रमुख चेहरों को बेदाग निकालने की कोशिश भी लोगों को बेचैन करती रही। होना तो यह चाहिए कि जो दोषी हैं उनको कठघरे में लाया जाए। केवल छोटी मछलियां पकड़ कर ही नहीं बैठ जाना चाहिए, हो सकता है कि बड़े मगरमच्छ अब भी कहीं छिपे हुए हों।

सुरेश सेठ

विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोगों की आस्था के बीच भारत की छवि विविधतापूर्ण देश की है। यही इसकी खूबसूरती है। इसे आस्था से परिपूर्ण धर्मपरायण देश भी माना जाता है। यहां करोड़ों लोग अपने-अपने धर्म का समर्पित भाव से पालन करते हैं। इससे उन्हें जीवन में नैतिकता से लेकर मर्यादा तक की सीख मिलती है। वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए संतुष्ट भाव से जीवन जीते हैं। यह धर्मपरायणता ही है कि जहां बड़ी संख्या में लोग अमरनाथ की दुरूह यात्रा करते हैं और तमाम कष्ट सह कर तथा खतरे का सामने करते हुए भी अपनी आस्था व्यक्त करते हैं।

इसी तरह लाखों लोग कुंभ स्नान के लिए एक स्थान पर जुट जाते हैं। यानी हमारी धार्मिक मान्यताएं इतनी गहरी हैं कि एक विश्वास के सहारे हम पूरा जीवन गुजार देते हैं। मोक्ष और मुक्ति की उम्मीद लिए चलते रहते हैं। हम अपने देश में आस्था के विभिन्न रूप देखते हैं और उनका सम्मान करते हैं। मगर देश को धर्म और धार्मिकता के अंतर को भी समझना होगा। मनुष्य के लिए धर्म महत्वपूर्ण है। मगर जिस तरह से पिछले कई वर्षों में धार्मिकता का दोहन किया गया और आस्था को ठेस पहुंचाई गई, यह चिंता का विषय है।

सामूहिक रूप से धर्म के प्रति समर्पित होना कोई गलत नहीं। इसी से हमने अपना सांस्कृतिक इतिहास रचा है और मन की शांति के लिए अपने धर्मस्थलों का निर्माण किया है। इनमें श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या भी है। कारसेवकों के बलिदान और त्याग के बाद मंदिर का निर्माण हुआ। जब इसका उद्घाटन हुआ था, तो देश-विदेश में लाखों लोग पूजा-अर्चना कर रहे थे और अपना जन्म सफल कर रहे थे, लेकिन इस सामूहिक धार्मिकता में आडंबर आ गया। फिर इसी के साथ शुरू हो गया आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला। देखते ही देखते वोटों की राजनीति भी शुरू हो गई।

पिछले दिनों देशवासियों को व्यथित करने वाली जानकारी सामने आई। पता चला कि श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में चढ़ाई गई राशि में भारी गोलमाल हुआ है। सवाल है कि मंदिर में न्यास होने और पूरी व्यवस्था के बावजूद दान तथा चढ़ावे की चोरी कैसे और क्यों हुई? ताज्जुब है कि लाखों-करोड़ों रुपए इधर से उधर होते रहे और इसकी भनक तक नहीं लगी। जिम्मेदार लोग आंखें मूंदे रहे। इन जिम्मेदार लोगों में न्यास के कर्ताधर्ता-सदस्य, नोट गिनने वाले लोग और गिनवाने वाले बैंक तथा उन पर नजर रखने वाले सीसीटीवी कैमरे के संचालक सब शामिल थे। सवाल यह है कि इन सबके रहते अमानत में खयानत कैसे होती रही। शुरू में तो विश्वास ही नहीं हुआ कि चढ़ावे की राशि भी गायब की जा सकती है। विवाद गहराया और लोगों का आक्रोश बढ़ा, तो सरकार हरकत में आई और एसआइटी गठित कर दी। इसने जो पहली रिपोर्ट दी, उसमें चिंता की बात यही थी कि चोरी हुई है। चढ़ावे को गिनने के स्थान पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे से पता चल रहा था कि मंदिर में चोरी हुई। जिन आरोपियों को संदेह के घेरे में लिया गया, उनकी और परिवारजनों की संपत्ति में बढ़ोतरी देखी गई।

यह बेहद निराशाजनक है कि निगरानी तंत्र में गंभीर खामियां पाई गईं। हर स्तर पर कोताही दिखी। जब इस पर भारी वाद-विवाद होने लगा, तो राजनीतिक खांचों में बंटे लोग आमने-सामने आ गए। इस मुद्दे पर अजीब तस्वीर सामने आने लगी। मंदिर संचालकों में भी कई लोग बंटे नजर आए। जब न्यास की बैठक हुई तो कोषाध्यक्ष ही मुखर दिखाई दिए। वैसे तो कोषाध्यक्ष का दायित्व बड़ा होता है, लेकिन यहां पता चला कि वे तो रुपए और चढ़ावा गिनने के बाद जो रिपोर्ट आती थी, उसी का ही हिसाब-किताब रखते थे।

गौरतलब है कि कुछ लोगों को जिम्मेदार ठहराए जाने के बाद जिस तरह की राजनीति होने लगी, उससे लोगों की आस्था डगमगा गई। इस प्रकरण के बाद बद्रीनाथ मंदिर में भी अनियमितता की खबरें आने लगीं। इस मामले में जांच हुई, तो समिति के अध्यक्ष के निजी सहायक को निलंबित कर दिया गया और बाद में उसकी गिरफ्तारी भी हुई। यह मामला तब सुर्खियों में आया, जब सोशल मीडिया पर मंदिर में चढ़ावे की गिनती के दौरान कथित गड़बड़ी के वीडियो और आरोप सामने आए। एक संगठन ने शिकायत दर्ज कर निष्पक्ष जांच और प्राथमिकी की मांग की थी। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उत्तराखंड सरकार ने पिछले सप्ताह तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय जांच समिति बनाई। राम मंदिर के बाद बद्रीनाथ धाम और फिर दूसरे मंदिरों में वित्तीय अनियमितताओं की जिस तरह की खबरें आ रही हैं, इससे लगता है कि धर्म की आड़ में आस्था से विश्वासघात किया जा रहा है। इस तरह धर्म के नाम पर आडंबर और राजनीति में देश उलझ गया है।

राजनीतिक और सामाजिक बहसों में यह तर्क भी दिया जाता है कि जिन्होंने मंदिर बनाने में कोई त्याग नहीं किया, उनको इस मामले में नहीं बोलना चाहिए। फिर एक और मत भी जनता के सामने रखा जाता है कि जिस व्यक्ति ने अपनी पूरी आयु लगा कर मंदिर को संभव बनाया वह ऐसा नहीं हो सकता। अगर उनके सहयोगी दान और चढ़ावे में घपला करते पकड़े जाएं, तो इसमें उनका क्या दोष? जिस व्यक्ति पर ठीकरा फोड़ा गया, वह न्यास के महासचिव का चालक था। विचित्र बात है कि बड़े लोगों पर दोषपूर्ण प्रबंधन और लापरवाही के आरोप लगते हैं, लेकिन पकड़े जाते हैं साधारण लोग। सीसीटीवी फुटेज में साधारण कर्मचारी ही दिखाई देते हैं। आज इस पूरे परिदृश्य को देख कर आम आदमी स्तब्ध है। वह सोच रहा है कि यह कैसा माहौल है, जहां धर्म-कर्म से जुड़े लोग ही अधर्म करते रहे और उनकी आस्था को ठेस पहुंचाते रहे। काजल की कोठरी से प्रमुख चेहरों को बेदाग निकालने की कोशिश भी लोगों को बेचैन करती रही। होना तो यह चाहिए कि जो दोषी हैं उनको कठघरे में लाया जाए। केवल छोटी मछलियां पकड़ कर ही नहीं बैठ जाना चाहिए, हो सकता है कि बड़े मगरमच्छ अब भी कहीं छिपे हुए हों। उन्हें पकड़ना आवश्यक है, क्योंकि अगर उनको पकड़ा नहीं गया, तो आरोपों और कुप्रबंधन का यह सिलसिला चलता रहेगा। भविष्य में भी चढ़ावे सुरक्षित नहीं रहेंगे।

असल में आज धार्मिक स्थलों की व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाने की जरूरत है। इन स्थानों पर पर जो करोड़ों का चढ़ावा चढ़ता है, उसे तहखानों में बंद करके रखने के बजाय उसके वित्तीय प्रबंधन की पुख्ता व्यवस्था हो। धार्मिक स्थल तो आत्मशुद्धि और आत्म परिष्कार का स्थान है। वहां लोगों ने अपने गाढ़े पसीने की जो कमाई चढ़ावे में दी है, उसका इस्तेमाल वंचित वर्ग की बेहतरी के लिए होना चाहिए। इससे शिक्षा संस्थान खोले जाएं। दान राशि से अस्पताल और वृद्धाश्रम भी खोले जा सकते हैं। ये सुझाव किसी को क्रांतिकारी लगते हैं, तो इसे दरकिनार कर सवालों का सामना तो किया जाए। अब यह जरूरी है कि वे सब चोर दरवाजे बंद कर दिए जाएं जिनमें से आरोपी अपने लिए रास्ता बना लेते हैं।

बेटियों की सुरक्षा का संकट...

> तकनीक के विकास के साथ-साथ मानवीय मूल्य और संवेदनाएं कमजोर होती जा रही हैं। इससे सामाजिक संबंधों के समक्ष विश्वास का संकट पैदा हो गया है। मानवीय मूल्य वे मूलभूत नैतिक मानक एवं सिद्धांत होते हैं, जो हमारे आचरण को दिशा देते हैं, जबकि संवेदनाएं दूसरों के सुख-दुख को महसूस करने की क्षमता है। ये दोनों मिलकर व्यक्ति को सामाजिक रूप से जिम्मेदार इंसान बनाते हैं। मगर जब मनुष्य की सोच से ये दोनों तत्त्व गायब हो जाएं, तो सभ्य समाज का आधार भी निर्बल हो जाता है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा और यौन दुर्व्यवहार की बढ़ती घटनाएं भी इसी का नतीजा है।

ज्योति सिडाना

घरेलू हिंसा को तो समाज में कई बार सामान्य घटना के रूप में देखा जाता है। यही वजह है कि सख्त कानून होने के बावजूद इस तरह की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। कई बार यौन दुर्व्यवहार के मामलों में दोषी को न्याय के कठघरे में लाने के बजाय समाज पीड़िता के पहनावे, रहन-सहन या आचरण को दोषी ठहराने लगता है। इससे ऐसा लगता है कि पितृसत्तात्मक समाज अपराधी को बचाने और महिलाओं को प्रताड़ित करने का समर्थन कर रहा है। स्त्रीवादी कैथरीन मैककिनन का मानना है कि बलात्कार पुरुष शक्ति और प्रभुत्व का एक चरम रूप है। इसके जरिए महिलाओं को डराकर और नियंत्रित करके रखा जाता है।

हाल की कुछ घटनाओं पर नजर डालें तो पता चलता है कि अपराधियों की मानसिकता किस हद तक विकृत होती जा रही है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक बच्ची का अपहरण कर पांच दिन तक बत्तीस लोगों ने उससे बलात्कार किया। पश्चिम बंगाल के बुरुईपुरा में एक बच्ची से सामूहिक बलात्कार के बाद उसकी हत्या कर दी गई। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक लड़की और हरदोई में एक बच्ची से बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई। सवाल है कि क्या इन बच्चियों के साथ हुई यौन हिंसा के लिए भी उनके कपड़ों, व्यवहार और चाल-चलन को दोषी ठहराया जाएगा? यह सच है कि पहले की तुलना में महिलाओं को अब अनेक अधिकार प्राप्त हैं, लेकिन इन सबके बावजूद उन्हें अपने अस्तित्व और अस्मिता की सुरक्षा का अधिकार अभी तक नहीं मिल पाया है। आए दिन सड़कों, ट्रेनों, बसों, घरों, खेतों और दफ्तरों में लड़कियों एवं महिलाओं को वह सब झेलना पड़ता है, जो अनैतिक और गैर-कानूनी है। फिर भी यह सब खुलेआम हो रहा है, जैसे उसे सामाजिक वैधता प्राप्त हो। सरकार की ओर से नए कानून बनाए जाते हैं या पहले से बने कानूनों में संशोधन किया जाता है, लेकिन सवाल यह है कि इन्हें सख्ती से लागू करने की जिम्मेदारी किसकी है? जांच प्रक्रिया इतनी धीमी और लापरवाही भरी होती है कि कई मामलों में पीड़िता को न्याय मिल ही नहीं पाता है और अगर कहीं न्याय मिलता भी है, तो उसके लिए वर्षों इंतजार करना पड़ता है।

महिलाओं की सुरक्षा पर केंद्रित कार्यशालाओं और बौद्धिक चर्चाओं में कई तरह की सावधानियां बरतने की सलाह दी जाती रही हैं। जैसे- गाड़ी में बैठने से पहले पिछली सीट पर देख लें, मोबाइल फोन में हेल्पलाइन नंबर रखें, रात में बाहर न निकलें, सोते समय सभी खिड़कियां बंद कर लें, अनजान लोगों से खाने-पीने की कोई वस्तु न लें, मिर्च स्प्रे साथ रखें, काम से घर जाते समय अपना रास्ता बदलते रहें और कोई संदेह होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। सवाल है कि ये सावधानियां बच्चों और किशोरियों को कैसे सिखाई जाएं। और क्या संभावित समस्याओं का हल केवल यही है कि लड़कियों एवं महिलाओं को ही सावधान रहना होगा। क्या वास्तव में इन सब सावधानियों से यौन हिंसा की घटनाएं रुक जाएंगी?

देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कहा प्रति अपने नजरिए को बदल ले, तो समस्या अपने आप समाप्त हो जाएगी।

सवाल है कि क्या बलात्कार को सामूहिक आतंकवाद की संज्ञा दी जा सकती है? आतंकवाद में भी भय उत्पन्न करके दूसरों के व्यवहार पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया जाता है और बलात्कार में भी महिलाओं के व्यवहार को नियंत्रित कर उन पर अपना था कि किसी भी देश की स्थिति वहां की महिलाओं की स्थिति को देखकर ज्ञात की जा सकती है। यदि इस तर्क को सही माना जाए, तो फिर इस दावे के क्या मायने रह जाते हैं कि भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की पंक्ति में खड़ा है। जिस देश की आधी आबादी को यौन शोषण, घरेलू हिंसा, तेजाब हमले और दहेज के लिए हत्या जैसी अमानवीय घटनाओं का दंश झेलना पड़ रहा हो, उस देश की स्थिति क्या होगी, यह बताने की जरूरत नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर महिला दिवस मनाने या महिला सशक्तीकरण का उद्घोष करने से ही अगर उनकी स्थिति में बदलाव लाया जा सकता, तो अब तक यह सब हो चुका होता। दरअसल, सवाल यहां महिला सशक्तीकरण का है ही नहीं, उन्हें मजबूत या सशक्त बनाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि वे पहले से ही मजबूत हैं। जरूरत है समाज में महिलाओं की ताकत का आकलन करने के नजरिए को बदलने की। अगर पुरुष समाज महिलाओं काआधिपत्य स्थापित करने की कोशिश की जाती है। पहले के समय में बलात्कार की अधिकतर घटनाओं के लिए अपरिचित या अजनबी दोषी होता था, लेकिन अब परिवार, दोस्त और रिश्तेदारी के दायरे में भी महिलाएं यौन उत्पीड़न की शिकार हो रही हैं। असल में महिलाओं को समाज में बराबरी का दर्जा तभी मिलेगा, जब उन्हें पुरुषों के समान सारे अधिकार मिलेंगे। लैंगिक समानता आधारित समाज वह होता है, जहां हर कोई जैसा है, वैसा रह सके। इसलिए जरूरत इस बात की है कि देश की न्यायिक और सामाजिक व्यवस्था में आमूल-चूल बदलाव किया जाए तथा महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर गंभीरता से प्रयास किए जाएं।

अभिषेक नंबर-1, दूसरे पर गिल

जिम्बाब्वे के खिलाफ T20- में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीयों की लिस्ट

नई दिल्ली। इंग्लैंड दौरा समाप्त होने के बाद भारतीय टीम 3 मैचों की टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे पहुंच गई है। 23 जुलाई से 26 जुलाई के बीच यह सीरीज होगी। श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टीम में संजू सैमसन को नहीं चुना गया है। उनकी जगह वैभव सूर्यवंशी को अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग करते देखा जाएगा। वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में डेब्यू किया, लेकिन कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए। भारतीय टीम इससे पहले जिम्बाब्वे दौरे पर 2024 टी20 वर्ल्ड कप के बाद गई थी। तब कोच गौतम गंभीर टीम से नहीं जुड़े थे। इस बार भी वह दौरे पर नहीं आए हैं।

अभिषेक ने किया था डेब्यू

वीवीएस लक्ष्मण तब की तरह इस दौरे के लिए अब भी कोच हैं। अभिषेक शर्मा ने भारत के लिए इसी सीरीज में डेब्यू किया था। शुभमन गिल कप्तान थे। उस सीरीज में यशस्वी जायसवाल और ऋतुराज गायकवाड़ भी खेले थे। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन की बात करें तो अभिषेक शर्मा शीर्ष पर हैं। उन्होंने 5 पारियों में 179 रन बनाए हैं। शुभमन गिल ने 5 पारियों में 170 रन बनाए हैं।

टॉप-10 में केएल राहुल भी

यशस्वी जायसवाल ने 3 पारियों में 141 रन बनाए। ऋतुराज गायकवाड़ ने 3 पारियों में 133 रन बनाए। केएल राहुल के नाम 4 पारियों में 120 रन हैं। संजू सैमसन ने 4 पारियों में 113 रन बनाए हैं। सुरेश रैना ने 2 पारियों में 100 रन बनाए हैं। मुरली विजय ने 4 पारियों में 98 और सूर्यकुमार यादव ने 2 पारियों में 91 रन बनाए हैं।

कुशाग्र का शतक

यश और मनल ने ठोके पचासे

नई दिल्ली। इंडिया अंडर 19 और श्रीलंका अंडर 19 के बीच दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल खत्म हो चुका है। पहले दिन के खेल में 65 ओवर ही हो पाए और शुरुआत में बारिश के कारण मैच प्रभावित रहा। भारतीय टीम की टॉस हारकर पहले खेलते हुए शुरुआत डगमगा गई थी। 0 रन पर भारत ने 2 विकेट गंवा दिए थे। उसके

बाद कुशाग्र ओझा ने बेहतरीन शतकीय पारी खेली। वहीं कप्तान यशवर्धन चौहान और मनल चौहान ने अर्धशतकीय पारी खेलकर भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। पहले दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने 3 विकेट पर 253 रन बनाए हैं। श्रीलंका ने इस मैच में टॉस जीता था और पहले गेंदबाजी चुनी थी। भारतीय टीम जब पहले बल्लेबाजी करने उतरी तो शुरुआत बेहद खराब रही। दोनों ओपनर्स खाता भी नहीं खोल पाए और पवेलियन लौट गए। पहले 6 ओवर में भारत ने एक भी रन नहीं बनाया था।

दिग्गज को आया गुस्सा, टीम इंडिया के हेड कोच को घेरा

'रोहित नहीं गौतम की जगह पर सवाल उठने चाहिए'

रोहित शर्मा ने लॉर्ड्स में 138 रन की पारी खेलते हुए सभी आलोचकों की बोलती बंद कर दी है। मगर टीम इंडिया की हार के बाद मैनेजमेंट और हेड कोच गौतम गंभीर पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। भारत के पूर्व ओपनर ने तो साफतौर पर उनकी जगह पर ही सवाल कर दिया है।

नई दिल्ली। रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स वनडे में 138 रन की बेहतरीन पारी से सभी आलोचकों का मुंह बंद कर दिया है। उन्होंने अपने वनडे करियर के खत्म होने की चल रही अटकलों पर भी विराम लगा दिया है। जबकि पिछले एक साल में भारत की यह तीसरी बड़ी टीम के खिलाफ वनडे सीरीज में हार भी है। इसके बाद टीम इंडिया के हेड कोच और चयन समिति पर सवाल उठने लगे हैं। इसी कड़ी में भारत के पूर्व ओपनर कृष्णमचारी श्रीकांत ने गौतम गंभीर को बुरी तरह लताड़ा है।

श्रीकांत ने यहां तक यह भी कहा कि रोहित शर्मा की जगह पर नहीं बल्कि गौतम गंभीर की जगह पर सवाल उठने चाहिए। भारत ने गंभीर के कार्यकाल में चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 वर्ल्ड कप 2026 जरूर जीता है लेकिन इस दौरान घर पर साउथ अफ्रीका से टेस्ट सीरीज हार, न्यूजीलैंड से वनडे सीरीज हार, न्यूजीलैंड के खिलाफ घर पर टेस्ट सीरीज हार, आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज हार और अब इंग्लैंड में टी20 और वनडे सीरीज में बुरी तरह हार, देखने के मिली हैं।

● **श्रीकांत ने हेड कोच गंभीर पर किया हमला–** कृष्णमचारी श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर वीडियो में टीम इंडिया के मैनेजमेंट को बुरी तरह लताड़ लगाई है। उन्होंने कहा, 'यह भारतीय टीम के सबसे खराब समय में से एक है। मैनेजमेंट और उसकी चयन प्रक्रियाओं में लगातार की जा रही गलतियां हैरान कर रही हैं। गौतम गंभीर को हर मैच में नए खिलाड़ी चाहिए हैं। आप कैसे इस मैनेजमेंट के कार्यकाल में टिक पाएंगे। आप जबरन रोहित शर्मा को बाहर करना चाहते हैं, आपको कौन बाहर करेगा?

रोहित शर्मा ने 'लॉर्ड' के बल्ले से लॉर्ड्स में लगाया शतक, बचपन के दोस्त ने खुद किया खुलासा

भारत के पूर्व विश्व चैंपियन खिलाड़ी ने यह भी कहा, 'हम घर पर टेस्ट मैच हारे, टी20 में हमारी बेइज्जती हुई और ऑस्ट्रेलिया व इंग्लैंड में जाकर हम वनडे भी हारे। उनकी (गौतम गंभीर की) टीम के अंदर पोजिशन पर सवाल उठने चाहिए, रोहित शर्मा की नहीं। मैंने कभी इस तरह का टीम सेलेक्शन और मैनेजमेंट का हाल अपनी जिंदगी में नहीं देखा। एक दो अच्छे परफॉर्मेंस के अलावा इंग्लैंड में हम बुरी तरह फेल हुए।' उन्होंने इसके अलावा केएल राहुल को नीचे बल्लेबाजी के लिए उतारने पर भी सवाल उठाए हैं। श्रीकांत का मानना है कि इशान किशन और श्रेयस अय्यर को नीचे आना चाहिए। केएल राहुल नंबर 4 के बल्लेबाज हैं। वह आते ही हिट नहीं कर सकते हैं बल्कि वह पारी को संभालने और स्थिरता देने में सक्षम हैं। अब देखना होगा कि इतनी आलोचनाओं के बाद मौजूदा भारतीय टीम मैनेजमेंट की आंखे कब खुलती हैं? लगातार टीम के अंदर चयन और प्लेइंग कॉम्बिनेशन पर सवाल उठ रहे हैं।

हारने के बाद अर्जेंटीना के खिलाड़ियों पर बैन होने का खतरा

FIFA कर रहा खिलाड़ियों से लड़ाई की जांच

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में हार के बाद स्पेन के खिलाड़ियों से अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने लड़ाई कर ली थी। इसके कारण लियोनल मेसी की अगुआई वाली टीम के खिलाड़ियों पर प्रतिबंधित होने का खतरा मंडरा रहा है। फीफा ने न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में रविवार (20 मई) को फाइनल के बाद हुई लड़ाई की जांच शुरू कर दी है।

स्पेन ने एक्स्ट्रा टाइम में अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर अपना दूसरी बार फीफा वर्ल्ड कप खिताब जीता, लेकिन आखिरी सीटी बजने के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हुई लड़ाई ने जश्न को फीका कर दिया। स्पेन के जश्न के दौरान उनके खिलाड़ियों से अर्जेंटीना के कई खिलाड़ी भिड़ गए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

अर्जेंटीना के खिलाड़ियों को क्या मिल सकती है सजा

फीफा के अनुशासन संहिता के अनुच्छेद 14 के तहत, हिंसक व्यवहार के दोषी पाए जाने वाले खिलाड़ियों को कम से कम तीन मैचों का प्रतिबंध झेलना पड़ सकता है। हमला, कोहनी मारना, मुक्का मारना, लात मारना, काटना, थूकना, विरोधी टीम या मैच ऑफिशियल के अलावा किसी और को मारने पर भी तीन मैचों का प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

और क्या सजा मिल सकती है– कोई भी प्रतिबंध तब लागू होगा जब अर्जेंटीना अगली बार आधिकारिक मैच खेलेगा। खिलाड़ियों के प्रतिबंध के अलावा अगर फीफा यह नतीजा निकालता है कि राष्ट्रीय टीम ने गलत व्यवहार किया है तो अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (AFA) पर भी अनुशासनिक कार्रवाई हो सकता है।

'इस जख्म को भरने में समय लगेगा'

विश्व कप हारने के बाद लियोनल मेसी का भावुक पोस्ट

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के दिग्गज लियोनेल मेसी ने इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट करते हुए कहा कि स्पेन से वर्ल्ड कप फाइनल हारने का जख्म भारने में समय लगेगा। उन्होंने अपने साथियों और पूरे टूर्नामेंट में टीम को सपोर्ट करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने स्पेन को वर्ल्ड कप जीतने पर बधाई भी दी। गौरतलब है कि स्पेन ने 20 जुलाई को एक्स्ट्रा टाइम में एक गोल करके अर्जेंटीना का खिताब रक्षा करने का सपना तोड़ दिया।

मेसी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'दुख बहुत ज्यादा है। इस जख्म को भरने में समय लगेगा, लेकिन मैंने अच्छी यादों को संजोकर रखने का फैसला किया है, उन सभी मैचों को जिन्हें हमने सबकुछ झोंककर पलट दिया। ऐसे पल हमेशा याद रहेंगे। मैं हमेशा पूरे देश के सपोर्ट को याद रखूंगा, जिसने इस ग्रुप के काम और कोशिशों के साथ मिलकर हमें एक बार फिर दुनिया की सबसे अच्छी टीमों में वापस ला दिया।'

स्पेन को विश्वकप जीतने पर बधाई

मेसी ने लिखा, 'आज, हमने जो हासिल किया, उसकी तारीफ करना मुश्किल है... लेकिन यह ग्रुप सच में लगातार दो वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचा है। हर बधाई और हर मैसेज के लिए दिल से शुक्रिया। एक बार फिर, हम एक देश के तौर पर एक साथ आए और अर्जेंटीना होने का बहुत गर्व महसूस करते हुए एक साथ खड़े रहे। मैं स्पेन को भी वर्ल्ड कप जीतने पर बधाई देना चाहता हूं।'

हार के बाद क्या बोले थे मेसी– मेसी ने रविवार को मेटलाइफ स्टेडियम में स्पेन के खिलाफ दिल तोड़े वाली हार बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फीफा वर्ल्ड कप 2026 का रनर-अप सिल्वर मेडल लिया। अर्जेंटीना के इस स्टार खिलाड़ी ने अलविदा कहते हुए आंसू बहाए और फिर प्लेयर्स टनल से नीचे चले गए।

बांग्लादेश से टेस्ट सीरीज के लिए

ऑस्ट्रेलिया की टीम घोषित

कमिंस समेत 3 खिलाड़ियों की वापसी, लाबुशेन का भी चयन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार (21 जुलाई) को अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए 13 खिलाड़ियों की टीम का ऐलान किया है। जोश हेजलवुड, नाथन लियोन और कप्तान पैट कमिंस की वापसी हुई है। खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन की भी जगह टीम में बरकरार है। पिछली गर्मियों में एशेज में तीनों खिलाड़ी चोटिल थे। हेजलवुड हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन से ठीक होने के दौरान अकिलीज इंजरी के कारण पूरी एशेज नहीं खेल पाए थे। लियोन ने एडिलेड में तीसरे टेस्ट में हैमस्ट्रिंग इंजरी के बाद सर्जरी करवाई। एडिलेड टेस्ट ही एकमात्र ऐसा मैच था, जिसमें कमिंस ने हिस्सा लिया था। उन्होंने पीठ के निचले हिस्से में लगी चोट से वापसी की थी।

हेजलवुड-कमिंस की आईपीएल 2026 में मैदान पर लौटे– ऑस्ट्रेलिया के एशेज जीतने के बाद एहतियात के तौर पर वह आखिरी दो टेस्ट मैचों में नहीं खेले। हेजलवुड और कमिंस भारत और श्रीलंका में हुए टी20 वर्ल्ड कप से भी बाहर हो गए थे। दोनों की इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (आईपीएल 2026) में वापसी हुई। दूसरी ओर, लियोन ने एडिलेड टेस्ट के बाद से कोई कॉम्पिटिटिव मैच नहीं खेला है।

माइकल नेसर और ब्रेंडन डॉगेट बाहर

तीन एशेज टेस्ट में 15 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन करने वाले माइकल नेसर और ब्रेंडन डॉगेट को सीनियर पेसरों की वापसी के बाद बाहर कर दिया गया है। नेसर, डॉगेट और ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी मेन स्क्वाड के साथ ट्रेनिंग करेंगे। अगर ऑस्ट्रेलिया को किसी भी समय जरूरत पड़ी तो वे टीम में आ सकते हैं।

टॉप ऑर्डर में बदलाव नहीं

ऑस्ट्रेलिया ने शीर्ष क्रम में कोई बदलाव नहीं किया। एशेज में डेब्यू करने वाले जेक वेदराल्ड ने सिर्फ 201 रन बनाए थे। वह हेड के साथ डेब्यू करते दिख सकते हैं। आलोचनाओं का सामना कर रहे मार्नस लाबुशेन को भी टीम में है। एशेज में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने 28.78 के औसत से 259 रन बनाए। उन्हें वेस्टइंडीज दौरे के दौरान प्लेइंग 11 से बाहर कर दिया गया था। ऑस्ट्रेलिया-बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट डार्विन (13-17 अगस्त) और मैके (22-26 अगस्त) में खेले जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया का स्क्वाड

पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।

ऋतुराज कप्तान, पृथ्वी शॉ, सरफराज खान और मुशीर भी शामिल

रेड बॉल टूर्नामेंट के लिए बेहतरीन टीम का ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ को एक नई जिम्मेदारी मिल गई है। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की कमान संभालने वाले ऋतुराज को अब रेड बॉल क्रिकेट में भी लीडरशिप रोल मिल चुका है। आगामी दलीप ट्रॉफी के लिए उन्हें वेस्ट जोन की टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। मुंबई के चीफ सेलेक्टर राजेश पवार की अध्यक्षता में हुई चयन समिति की बैठक के बाद सोमवार 20 जुलाई को टीम का ऐलान किया गया। आपको बता दें कि पिछले सीजन शार्दुल ठाकुर इस टीम के कप्तान थे। अब यह जिम्मेदारी ऋतुराज गायकवाड़ को सौंपी गई है। हाल ही में इंडिया ए के श्रीलंका दौरे पर भी वह टीम के उपकप्तान थे। उन्होंने वनडे और टेस्ट दोनों सीरीज में इंडिया ए की उपकप्तानी की थी। अब दलीप ट्रॉफी में वेस्ट जोन के लिए वह बतौर कप्तान नजर आएंगे। इस रेड बॉल टूर्नामेंट का आयोजन 23 अगस्त से 10 सितंबर तक बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा।

टूर्नामेंट में कुल 5 मुकाबले होंगे

वेस्ट जोन की टीम सीधे क्वार्टरफाइनल 2 में नॉर्थ जोन की टीम से भिड़ेगी। यह मुकाबला 23 से 26 अगस्त 2026 तक खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में कुल 5 मुकाबले होंगे जिसमें 6 से 10 सितंबर तक सीओई के ग्राउंड 1 में खेला जाने वाला फाइनल मैच भी शामिल है। इस टीम में ऋतुराज के अलावा कई चर्चित भारतीय नाम हैं। पृथ्वी शॉ और सरफराज खान भी इस टीम में शामिल हैं। जबकि मुशीर खान को भी स्क्वाड में जगह मिली है। पूर्व कप्तान शार्दुल ठाकुर भी इस टीम का हिस्सा हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए त्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670